शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 213 | गुवाहाटी | बुधवार, 5 मार्च, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

दुनिया को भारत से बहुत उम्मीदें : मोहन भागवत पेज 2
मियां समुदाय पर मंत्री सिंघल की टिप्पणी से विवाद पेज 3
किसान आंदोलनों ने पंजाब की छवि बिगाड़ी राज्य का उद्योग तबाह हो रहा : भगवंत मान पेज 5
एएफसी चैंपियंस लीग एलीट, राउंड ऑफ 16 : अल ... पेज 7

रतन टाटा इलेक्ट्रॉनिक सिटी के नाम से जाना जाएगा जागीरोड इलेक्ट्रॉनिक सिटी

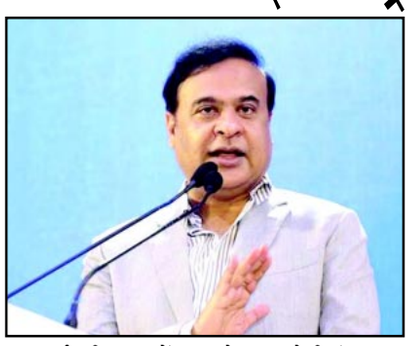

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को घोषणा की कि मोरीगांव जिले के जगीरोड में आगामी इलेक्ट्रॉनिक सिटी का नाम दिवंगत उद्योगपति रतन टाटा के नाम पर रखा जाएगा। शर्मा ने कहा कि आज हमने जागीरोड स्थित इलेक्ट्रॉनिक सिटी का नाम रतन टाटा इलेक्ट्रॉनिक सिटी, जागीरोड रखने का निर्णय लिया है। रतन टाटा का 86 वर्ष की आयु में 9 अक्तूबर 2024 को निधन हो जाएगा। उनके नेतृत्व में टाटा समूह ने वैश्विक स्तर पर विस्तार किया और टेटली, जगुआर लैंड रोवर और कोरस जैसे ब्रांडों का अधिग्रहण किया। असम सरकार द्वारा इलेक्ट्रॉनिक सिटी का नाम रतन टाटा के नाम पर रखने का निर्णय भारत के औद्योगिक और तकनीकी विकास में उनके योगदान के प्रति श्रद्धांजलि है। राज्य में हाल ही में आयोजित एडवांटेज असम 2.0 निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन में शर्मा ने जगीरोड में 27,000 करोड़ रुपए की लागत से टाटा सेमीकंडक्टर असेंबली प्लांट की स्थापना की घोषणा की थी। यह असेंबली स्वदेशी उन्नत सेमीकंडक्टर पैकेजिंग प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए स्थल होगी, जिसमें फ्लिप चिप और -शेष पृष्ठ दो पर

चैंपियंस ट्रॉफी : विराट की पारी ने तोड़ा ऑस्ट्रेलिया का गुरूर, भारत पहुंचा फाइनल

नई दिल्ली। विराट कोहली के 84 रन और मोहम्मद शमी की गेंदबाजी की बदौलत भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के पहले सेमीफाइनल में भारत ने आस्ट्रेलिया को 4 विकेट से हराया। ऐसे में भारतीय टीम फाइनल में पहुंच गई है। 9 मार्च को भारतीय टीम का सामना दूसरे सेमीफाइनल की विनर से होगा। दूसरे सेमीफाइनल में 5 मार्च को साउथ अफ्रीका का सामना न्यूजीलैंड से होगा। ऑस्ट्रेलिया को हराने के साथ ही भारतीय टीम ने वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में मिली हार का बदला भी ले लिया है। मुकाबले की बात करें तो टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया टीम 49.3 ओवर में 264 रन पर सिमट गई। कप्तान स्टीव स्मिथ ने 96 गेंदों पर 73 रन की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 4 चौके और 1 छक्का लगाया। उनके अलावा एलेक्स कैरी ने 57 गेंदों पर 61 रन ठोक दिए। हालांकि, वह अपनी गलती की वजह से रन आउट हुए। श्रेयस अय्यर के रॉकेट थ्रो ने उन्हें पवेलियन भेजा। कंगारू टीम की शुरुआत खराब रही और डेब्यू मैच खेल रहे कूपर कोनोली का खाता नहीं खुला। भारतीय टीम की सबसे बड़ी हेडेक ट्रेविस हेड ने भी बड़ी पारी नहीं खेली। हेड ने 33 गेंदों पर 39 रन बनाए। मार्नस लाबुशेन ने 29, जोस इंग्लिस ने 11 और ग्लेन मैक्सवेल ने 7 रन बनाए। भारत की ओर से मोहम्मद शमी ने 3 विकेट चटकाए। उनके अलावा वरुण चक्रवर्ती और रवींद्र जडेजा की झोली में 2-2 विकेट आए। अक्षर पटेल और हार्दिक पांड्या के नाम -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

हम चीजो को उस तरह से नहीं देखते जिस तरह से वे है, बल्कि हम चीजो को उस तरह से देखते है जिस तरह के हम है।

– **अब्दुल कलाम**

धर्मांतरण पर शिकंजा

असम में कैंपस खोलने से पहले निजी विवि को राष्ट्रीय सुरक्षा मंजूरी लेनी होगी : सीएम

गुवाहाटी। एक बड़े नीतिगत बदलाव के तहत, असम मंत्रिमंडल ने असम निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2007 में संशोधन को मंजूरी दे दी है, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि निजी विश्वविद्यालय सरकारी मानदंडों का पालन करेंगे तथा परिसर में धार्मिक रूपांतरण को रोकेंगे। कैबिनेट बैठक के बाद निर्णय की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने जोर देकर कहा कि नए संशोधन के तहत निजी विश्वविद्यालयों को धार्मिक तटस्थता बनाए रखनी होगी और उन्हें धार्मिक रूपांतरण में संलग्न होने पर सख्त प्रतिबंध है। शर्मा ने चेतावनी दी कि धार्मिक रूपांतरण में संलिप्त पाए जाने वाले किसी भी विश्वविद्यालय की मान्यता तत्काल रद्द कर दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, असम में किसी भी निजी विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए अब राज्य के गृह और राजनीतिक विभाग से राष्ट्रीय सुरक्षा मंजूरी लेना अनिवार्य होगा। मंत्रिमंडल ने दो नए विश्वविद्यालयों – एडटेक कौशल विश्वविद्यालय (तिनसुकिया जिला) और मां कामाख्या राष्ट्रीय विश्वविद्यालय (सिपाझार, दरांग जिला) की स्थापना को भी हरी झंडी दे दी। ये विश्वविद्यालय एडवांटेज असम 2.0 पहल के तहत हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन का हिस्सा हैं, जिसका उद्देश्य राज्य में शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ावा -शेष पृष्ठ दो पर

सिपाझार-तिनसुकिया समेत 9 विश्वविद्यालयों को मंजूरी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कैबिनेट की बैठक में हुए अहम फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विधानसभा के आगामी सत्र में कई विधेयक पेश किए जाएंगे। सरकार के फैसलों में शिक्षा पर जोर की झलक दिखी, क्योंकि सीएम हिमंत की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में नौ विश्वविद्यालयों की स्थापना को मंजूरी दी गई है। मुख्यमंत्री ने प्रेस वार्ता में बताया कि अब असम में निजी विश्वविद्यालय के -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री हिमंत का दावा–

गौरव गोगोई की पत्नी के तार पाकिस्तान से जुड़े, जांच के लिए इंटरपोल की मदद पर विचार

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि भारत के आंतरिक मामलों में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की दखल की जांच के लिए इंटरपोल जैसी एजेंसी की मदद ले सकते हैं। दरअसल शर्मा ने आरोप लगाया था कि पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख का कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की ब्रिटिश पत्नी से तार जुड़े हैं। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि इसकी जांच अभी प्रारंभिक चरण में है और इसकी जानकारी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पहले ही दे दी गई है। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा, यह मसला बेहद संवेदनशील है। मैंने गृह मंत्री को इसकी जानकारी दे दी है। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि इस मामले की जांच फिलहाल एसआईटी कर रही है, लेकिन हम इसकी जांच केवल एक निश्चित सीमा तक ही कर सकते हैं। इसलिए इसकी जांच के लिए इंटरपोल जैसी -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने जेएनयू को आईएसआई जांच से जोड़ा गौरव गोगोई से किए सवाल

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने भारत में आईएसआई संबंधों की चल रही विशेष जांच दल (एसआईटी) जांच के बारे में गंभीर आरोप लगाए हैं। मंगलवार को मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने जेएनयू की एक प्रोफेसर के पति और अली तौकीर शेख के बीच संभावित संबंध का संकेत दिया, जो कथित तौर पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी से संबंध रखने वाला संदिग्ध है। शर्मा ने खुलासा -शेष पृष्ठ दो पर

विकसित भारत समाचार के कार्यकारी संपादक प्रदीप शील और सहयोगी संपादक रविशंकर चौधरी ने संभाला पदभार

प्रदीप शील

रविशंकर चौधरी

गुवाहाटी। समाचार जगत के अनुभवी पत्रकार प्रदीप शील और रविशंकर चौधरी को गुवाहाटी से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र *विकसित भारत समाचार* के कार्यकारी संपादक और -शेष पृष्ठ दो पर

ट्रंप का बड़ा फैसला

यूक्रेन को सैन्य मदद नहीं देगा अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका और यूक्रेन के बीच तनाव एक नए मोड़ पर पहुंच गया है। व्हाइट हाउस में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और डोनाल्ड ट्रंप के बीच तीखी बहस के बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन को दी जा रही सैन्य मदद रोकने का आदेश दिया। व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह रोक तब तक जारी रहेगी, जब तक ट्रंप को यकीन नहीं हो जाता कि जेलेंस्की वास्तव में शांति चाहते हैं। इस फैसले का सीधा असर एक अरब डॉलर की सैन्य सहायता पर पड़ेगा, जिसमें हथियार और गोला-बारूद शामिल हैं। यूक्रेन के लिए अमेरिकी सहायता बंद होने से राष्ट्रपति जेलेंस्की को बड़ा झटका लगा है। अब उनकी उम्मीदें यूरोपीय देशों पर टिकी हैं। ब्रिटेन की अगुवाई में लंदन में हुई आपातकालीन बैठक में यूरोपीय नेताओं ने यूक्रेन को समर्थन देने की बात दोहराई। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच अमेरिका के इस कदम से अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में हलचल मच गई है। अब सभी की नजर इस पर टिकी है कि क्या ट्रंप अपने फैसले पर कायम रहेंगे या यूरोपीय दबाव के बाद सैन्य सहायता बहाल करेंगे?

अब शिकायत पर तुरंत एक्शन लेगा ईसी

सियासी दलों के साथ अधिकारियों को बैठक करने का निर्देश

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के आरोपों के बाद चुनाव आयोग ने अपनी पूरी मशीनरी को सक्रिय कर दिया है। चुनाव आयोग ने मंगलवार को राज्यों में अपनी चुनाव मशीनरी को सियासी दलों के साथ नियमित बैठक करने और प्रक्रिया के मुताबिक सभी मुद्दों को हल करने का निर्देश दिया है। आयोग ने राज्य चुनाव अधिकारियों के एक सम्मेलन में यह निर्देश दिया है। सम्मेलन के पहले दिन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने राज्य चुनाव अधिकारियों को 31 मार्च तक मुद्दावार कार्रवाई रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। उन्होंने अधिकारियों से पारदर्शी तरीके से काम करने और सभी वैधानिक दायित्वों को मौजूदा कानूनी ढांचे के अनुसार पूरी लगन से पूरा करने की अपील की। उन्होंने अधिकारियों को राजनीतिक दलों के प्रति सुलभ और उत्तरदायी होने का निर्देश दिया। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि सभी दलों की बैठक नियमित रूप से आयोजित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सभी मुख्य निर्वाचन अधिकारियों, जिला निर्वाचन अधिकारियों, रिटर्निंग अधिकारियों और निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों को अपनी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के प्रति पूरी -शेष पृष्ठ दो पर

गुटखा खाने के लिए पुत्र ने की पिता की हत्या

नई दिल्ली। ओडिशा के मयूरभंज जिले में गुटखा खरीदने के लिए 10 रुपए देने से मना करने पर 40 वर्षीय बेटे ने मगंलवार को अपने पिता की हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हत्या करने के बाद बेटा अपने पिता का कटा हुआ सिर लेकर पुलिस थाने चला गया और आत्मसमर्पण कर दिया। उन्होंने बताया कि आरोपी बेटे ने धारदार हथियार से अपने 70 वर्षीय पिता का सिर काट दिया, जिसके बाद -शेष पृष्ठ दो पर

सरकार छह समुदायों को एसटी का दर्जा दिए जाने की मांग पर जल्द सौंपेगी रिपोर्ट : पेगु

गुवाहाटी। असम सरकार के मंत्री समूह (जीओएम) को छह समुदायों द्वारा अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने की मांग की जांच करने का काम सौंपा गया है। मंत्री रनोज पेगू ने मंगलवार 4 मार्च को राज्य विधानसभा में यह घोषणा की। विपक्ष के नेता देवव्रत सैकिया द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव के जवाब में बोलते हुए पेगू ने कहा कि मंत्री समूह का लक्ष्य चालू बजट सत्र के समापन से पहले अपने निष्कर्षों को अंतिम रूप देना है, ताकि रिपोर्ट सदन में प्रस्तुत की जा सके। कांग्रेस विधायक सैकिया ने राज्य सरकार से आग्रह किया कि वह इस मामले को केंद्र के समक्ष उठाए और यह सुनिश्चित करे कि असम में मान्यता प्राप्त अनुसूचित जनजाति समुदायों को मिल रहे मौजूदा लाभों को प्रभावित किए बिना मोरान, मटक, अहोम, चुटिया, कोच-राजबोंगशी -शेष पृष्ठ दो पर

अगले महीने मिलेगा भाजपा को नया अध्यक्ष, बैठक की तारीख तय

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। जेपी नड्डा के कार्यकाल के बाद अगला अध्यक्ष कौन होगा, इस पर सभी की निगाहें टिकी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 18 से 20 अप्रैल के बीच बेंगलुरु में होने वाली राष्ट्रीय कार्यकारिणी और राष्ट्रीय परिषद की बैठक में नए अध्यक्ष के नाम पर अंतिम मुहर लग सकती है। सूत्रों के अनुसार, इस बार दक्षिण भारत से किसी नेता को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने की संभावना प्रबल है। इस दौड़ में आंध्र प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दग्गुबाती पुरंदेश्वरी और भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कोयंबटूर विधायक वनती -शेष पृष्ठ दो पर

विधानसभा में तेजस्वी पर आगबबूला हुए सीएम नीतीश, कहा–

तुम्हारे पिता को हम ही बनाए थे...

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को विधानसभा में एक बहस के दौरान अपने पिता और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव का जिक्र करते हुए राजद नेता और अपने पूर्व डिप्टी तेजस्वी यादव पर निशाना साधा। राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों के बारे में विधानसभा में बोलने के लिए कुमार के खड़े होने के तुरंत बाद मुख्यमंत्री ने यादव पर पलटवार किया कि बिहार में पहले क्या था? वह मैं ही था जिसने आपके (तेजस्वी यादव) पिता को बनाया। यहां तक कि आपकी जाति के लोग भी मुझसे पूछ रहे थे कि मैं ऐसा क्यों कर रहा हूं, लेकिन मैंने फिर भी उनका समर्थन किया। दूसरी ओर बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने राज्य विधान परिषद के समक्ष आरोप लगाया कि उनके पति एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद ने कोई गलत काम नहीं किया इसके उन्हें बावजूद सजा मिली। उच्च सदन में विपक्ष की नेता राबड़ी देवी ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और आयकर विभाग की तरफ से हर दूसरे दिन नोटिस मिलने की भी शिकायत की। सदन के भीतर उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) के प्रवक्ता एवं विधान परिषद -शेष पृष्ठ दो पर

सर्बिया की संसद में हंगामा! विपक्षी सांसदों ने फेंके ग्रेनेड

सार्बिया। सर्बिया की संसद में मंगलवार को जबरदस्त हंगामा और अफरा-तफरी मच गई, जब विपक्षी सांसदों ने सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान एक के बाद एक कई स्मोक ग्रेनेड फेंके। इस घटना के कारण संसद के अंदर पूरी तरह से धुआं फैल गया और संसदीय सत्र बाधित हो गया। विपक्षी दलों के सांसद सर्बिया सरकार की नीतियों का विरोध कर रहे थे। वे उन छात्रों का समर्थन कर रहे थे जो बेलग्रेड में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। जैसे ही संसद में बहस शुरू हुई, विपक्षी सांसदों ने अचानक स्मोक ग्रेनेड फेंकने शुरू कर दिए। कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, आंसू गैस के गोले भी फेंके गए, -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

दुनिया को भारत से बहुत उम्मीदें : मोहन भागवत

भोपाल (हि.स.) । स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत ने कहा कि शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं होनी चाहिए बल्कि इसे व्यापक दृष्टिकोण से देखना होगा। मानवता को सही दिशा देने के लिए आवश्यक है कि हम अपने कार्य को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाएं। विद्या भारती केवल शिक्षा प्रदान करने का कार्य नहीं करती, बल्कि समाज को सही दिशा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आज विश्व भारत की ओर देख रहा है। उसे भारत से बहुत उम्मीदे हैं, भारत को विश्व भर में मानवता की दिशा देनी होगी। संघ प्रमुख डॉ. भागवत मंगलवार को विद्या भारती के आयोजित पांच दिवसीय पूर्णकालिक कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग 2025 के उद्घाटन कार्यक्रम में बोल रहे थे। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित शारदा विहार आवासीय विद्यालय में आज आवासीय वर्ग का शुभारंभ करते हुए डॉ. भागवत ने कहा कि विद्या भारती अपने विचारों के अनुरूप शिक्षा कार्य कर रही है। यह शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि यह छात्रों के जीवन मूल्यों और संस्कारों का निर्माण भी करती है। हमारी शिक्षा का कार्य व्यापक है, जो केवल ज्ञान देने तक सीमित नहीं रह सकता अपितु इसका उद्देश्य समाज को नैतिक रूप से समृद्ध बनाना भी है। उन्होंने कहा कि समय के अनुसार परिवर्तन आवश्यक है, लेकिन इसमें निष्क्रिय होकर बैठना उचित नहीं होगा। मानव अपने मस्तिष्क के बल पर समाज में परिवर्तन लाता है और उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यह परिवर्तन सकारात्मक हो। संघ प्रमुख ने कहा है कि आज के समय में तकनीक समाज के हर क्षेत्र में अपना प्रभाव डाल रही है। हमें टेक्नोलॉजी के लिए एक मानवीय नीति बनानी होगी। उन्होंने कहा कि आधुनिक विज्ञान और तकनीक में जो कुछ गलत है, उसे छोड़ना पड़ेगा और जो अच्छा है, उसे स्वीकार कर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक विशेषता पर जोर देते हुए कहा कि हमें विविधता में एकता बनाए रखनी होगी। भारत की संस्कृति ने हमेशा सभी को जोड़ने का कार्य किया है और इसे बनाए रखना हमारा कर्तव्य है। सब में मैं हूं, मुझ में सब हैं, डॉ. भागवत ने भारतीय दर्शन के इस मूल विचार को रेखांकित किया कि प्रत्येक व्यक्ति को यह समझना चाहिए कि वह समाज का अभिन्न अंग है और समाज भी उसका एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस दृष्टिकोण से हमें अपने कार्यों को संचालित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी शक्ति और संसाधन केवल अपने लिए नहीं, बल्कि समस्त समाज की उन्नति के लिए समर्पित होने चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे समाज में कई विचारधाराएं हैं और हमें उन लोगों को भी साथ लेकर चलना है जो हमारे विचारों से सहमत नहीं हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी का भी मत भिन्न हो सकता है, लेकिन कार्य की दिशा सही होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विमर्श का स्वरूप बदलना भी एक महत्वपूर्ण कार्य है।

अमेरिका-चीन व्यापार जंग : बीजिंग ने टैरिफ हटाने की दी कड़ी चेतावनी!

बीजिंग। चीन ने अमेरिका के नए टैरिफ को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों का उल्लंघन और वैश्विक व्यापार प्रणाली को कमजोर करने वाला करार देते हुए वाशिंगटन से इन्हें तुरंत हटाने की मांग की है। मंगलवार को चीनी वाणिज्य मंत्रालय ने यह बयान जारी किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर अमेरिका में मादक पदार्थों की तस्करी रोकने में विफल होने का आरोप लगाते हुए चीन से आयातित वस्तुओं पर 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया था। चीनी वाणिज्य मंत्रालय के बयान में कहा गया कि अमेरिका के ये एकतरफा टैरिफ डब्ल्यूटीओ नियमों का उल्लंघन करते हैं और वैश्विक व्यापार प्रणाली को कमजोर करते हैं। इससे अमेरिका को तो कोई समाधान नहीं मिलेगा, बल्कि चीन-अमेरिका व्यापार और वैश्विक आर्थिक संतुलन को भी नुकसान पहुंचेगा। चीन ने अमेरिका से अन्य देशों के अधिकारों और हितों का सम्मान करने की अपील की है और कहा कि टैरिफ बढ़ाने जैसे अनुचित उपाय अमेरिका को भी नुकसान पहुंचाएंगे। वाशिंगटन को अपने एकतरफा फैसले तुरंत वापस लेने चाहिए। यूक्रेनी संसद ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शांति पहल का स्वागत किया है। संसद ने एक बयान में कहा कि यूक्रेन के लोग शांति चाहते हैं और उन्हें विश्वास है कि ट्रंप की भूमिका युद्ध समाप्त करने और स्थायी शांति स्थापित करने में महत्वपूर्ण होगी। संसद ने अमेरिका के सहयोग को यूक्रेन की सुरक्षा और आर्थिक विकास के लिए अहम बताया और कहा कि वाशिंगटन के साथ खनिज संसाधनों की खोज में साझेदारी बढ़ाने की जरूरत है। वाशिंगटन में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की और डोनाल्ड ट्रंप के बीच वार्ता विवादों के कारण विफल रही। रिपोर्ट के मुताबिक, जेलेंस्की अमेरिकी मदद के प्रति *पर्याप्त कृतज्ञता* नहीं दिखा सके जिससे व्हाइट हाउस में उनका व्यवहार विवादास्पद हो गया। यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल ने ट्रंप से समझौते की अपील की लेकिन ट्रंप नाराज होकर बैठक से बाहर चले गए। दुर्लभ खनिजों पर सहयोग और संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस पर समाप्त होनी थी लेकिन कहासुनी के कारण ट्रंप ने समझौते पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। जब तक जेलेंस्की शांति वार्ता के लिए तैयार नहीं होंगे, तब तक उन्हें व्हाइट हाउस में आमंत्रित नहीं किया जाएगा।

एनएच-27 किनारे नाला निर्माण के चलते मार्ग परिवर्तन

गुवाहाटी (हिंस) । असम-मेघालय सीमा के जलग्रहण क्षेत्र से सतही जल निकासी के लिए एनएच-27 के दक्षिणी हिस्से में (कूम्बर टी वेयरहाउस से हिंदुस्तान टावर के पास एनएच-27 से बशिष्ठ चारिआली तक) आरसीसी स्टॉर्म वाटर ड्रेन निर्माण प्रस्तावित है। इस निर्माण कार्य के दौरान आमजन, विशेषकर बच्चे, छात्र, महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक व दिव्यांगजन की सुरक्षा तथा आपातकालीन वाहनों के निर्बाध आवागमन को सुनिश्चित करने के लिए इस मार्ग पर यातायात प्रतिबंध लागू किया गया है। यातायात प्रतिबंध 05 मार्च से निर्माण कार्य पूर्ण होने तक प्रभावी रहेंगे। त्रिपुरा गली अंडरब्रिज से बशिष्ठ चारिआली तक सेवा मार्ग (खानापाड़ा से बासिष्ठ/गरचुक की ओर) पर सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन 05 मार्च सुबह 5 बजे से पूर्ण रूप से बंद रहेगा। खानापाड़ा से बशिष्ठ चारिआली/बशिष्ठ मंदिर की ओर जाने वाले वाहन त्रिपुरा गली अंडरब्रिज से मोड़े जाएंगे।

खजुराहो नृत्य महोत्सव 2025 ने बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

यह हमारी सांस्कृतिक समृद्धि का प्रमाण : मुख्यमंत्री

भोपाल। मध्य प्रदेश के संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित खजुराहो नृत्य महोत्सव 2025 ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए सबसे लंबे भारतीय शास्त्रीय नृत्य मैराथन रिले के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की आधिकारिक निर्णायक हनाने स्पियर्स ने इस रिकॉर्ड की पुष्टि की और मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को प्रमाणपत्र सौंपा। यह उपलब्धि मध्य प्रदेश सरकार के संस्कृति विभाग के नेतृत्व में संभव हुई, जिसमें संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव शिव शेखर शुक्ला का मार्गदर्शन और विश्व रिकॉर्ड योजना विशेषज्ञ निश्चल बारोट का महत्वपूर्ण योगदान रहा। निश्चल बारोट, जो भारत में कई गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड प्रयासों को सफलतापूर्वक अंजाम दे चुके हैं, ने इस सांस्कृतिक पहल के संचालन में अहम भूमिका निभाई और यह सुनिश्चित किया कि कार्यक्रम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के सभी दिशानिर्देशों के अनुरूप हो। इस ऐतिहासिक आयोजन में भरतनाट्यम, कथक, ओडिसी और कुचिपुड़ी सहित भारत की विभिन्न शास्त्रीय नृत्य शैलियों का निरंतर प्रदर्शन किया गया। यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल खजुराहो के भव्य मंदिरों की पृष्ठभूमि में हुए इस आयोजन ने भारतीय शास्त्रीय नृत्य की समृद्ध परंपरा, साधना और उत्कृष्टता को उजागर किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड हमारे कलाकारों की निष्ठा और मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक नेतृत्व क्षमता का प्रमाण है।

No.TDB/15th FC/106/2024-25/1668 *Date 04/03/2025*

NOTICE INVITING TENDER
NO- 17/2024-25

Sealed tenders with a validity period of 90 days from the date of receipt in prescribed form affixing non-refundable court fee stamps of Rs. 8.25/- (Rupees Eight and Twenty Five Paisa) only subsequently to be drawn up in printed F-2 form are hereby invited from the Govt. registered PWD (Roads and Building), P&RD and other Govt. registered contractor's under Class-I (A/B/C) Class-II and Class-III category from approved firm according to tender limit of eligibility for the following works under 15th **ASFC during** the **financial year 2024-25** and will be received in the office of the undersigned up to 2:00 PM on 25/03/2025 and will be opened on the same date and placed at 2:15 PM in the presence of willing contractors or their authorized agents.

Sl. No.	Name of Dev. Block	Name of work	A/A No.	A/A Amount in Rs.	Tender Amount in Rs.	Earnest Money	Completion period
1	Tamulpur Dev. Block	Construction of community toilet at Hablang Chowk Barbelbari under 15th FC (Tied Grant) for the year 2023-24 during 2024-25	BTC/FC-Cell (15m FC-T)- 182/2024/ Pt-1/129, Dated: 20/11/2024	11,00,000/-	10,47,960/-	2% in case of Gen. and 1% in case of ST/SC	90 Days
2	Tamulpur Dev. Block	Construction of community toilet at Amayapur Chowk under 15th FC (Tied Grant) for the year 2023-24 during 2024-25	BTC/FC-Cell (15m FC-T)-182/2024/ Pt-1/130, Dated: 20/11/2024	11,00,000/-	10,47,9607-	2% in case of Gen. and 1% in case of ST/SC	90 Days

Details NIT may be seen in all working days in the office of the undersigned. Tender paper will be issued to the contractors or their authorized agent up to 12:00 Noon on all working days from 03/03/2025 to 25/03/2025 in the office of undersigned on payment of in the form of Banker Cheque/Demand Draft of any Nationalized Bank duly Pledged to the **Block Development Officer, Tamulpur Development Block.** The tender cost (Non-Refundable) must be in the form of Banker Cheque/Demand Draft of a Nationalized Bank drawn in favour of the **Principal Secretary, BTC, Kokrajhar** and payable at SBI, kokrajhar to be deposited 0.03%.

Sd/-
Block Development Officer,
Tamulpur Dev. Block, Tamulpur

IPR(BTC)/C/2024-25/1570

पृष्ठ एक का शेष

रतन टाटा इलेक्ट्रॉनिक ...

आई-एसआईपी (पैकेज में एकीकृत प्रणाली) प्रौद्योगिकियां शामिल हैं। ये प्रौद्योगिकियां ऑटोमोटिव (विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहन), संचार, नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर और अन्य जैसे प्रमुख अनुप्रयोगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। शिखर सम्मेलन 25 और 26 फरवरी को आयोजित किया गया। शिखर सम्मेलन के दौरान राज्य को 5,18,295 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए , जिनमें जिला स्तर पर हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन भी शामिल हैं। शर्मा ने कहा कि हम नए वित्तीय वर्ष में प्रस्तावों का विश्लेषण शुरू करेंगे और अगले छह महीनों में प्राप्त विभिन्न प्रस्तावों के कार्यान्वयन के लिए रोडमैप तैयार करेंगे। उन्होंने कहा कि यह आवश्यक नहीं है कि सभी समझौता ज्ञापन निवेश में तब्दील हो जाएं और कार्यान्वयन की सफल दर आमतौर पर 50 प्रतिशत होती है; लेकिन मैं 80 प्रतिशत की उम्मीद कर रहा हूं, जिससे असम देश के अग्रणी राज्यों में से एक बन जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता कार्यबल तैयार करना तथा शिक्षा एवं कौशल विकास के लिए समझौता ज्ञापनों को क्रियान्वयन के लिए आगे बढ़ाना होगी।

चैंपियंस ट्रॉफी : विराट की ...

भी 1-1 विकेट रहा। जवाब में भारतीय टीम को औसत शुरुआत मिली। कप्तान रोहित शर्मा ने एक झोर से बाउंड्री लगाना शुरू किया तो शुभमन गिल ने संयमित बल्लेबाजी की। हालांकि, गिल ने 11 गेंदों पर 8 रन बनाकर पवेलियन लौटे। 43 के स्कोर पर भारत को दूसरा झटका लगा। रोहित शर्मा ने 3 चौके और 1 छक्के की मदद से 29 गेंदों पर 28 रन बनाए। 2 विकेट जल्दी गिरने के बाद विराट कोहली और श्रेयस अय्यर ने पारी को संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 91 रन जोड़े। 27वें ओवर में एडम जैम्पा ने अय्यर को बोल्ड किया। श्रेयस फिफ्टी से चूक गए और उन्होंने 62 गेंदों पर 45 रन की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने 30 गेंदों का सामना किया और 27 रन बनाए। शतक की ओर बढ़ रहे विराट कोहली चूक गए। उन्होंने 98 गेंदों का सामना किया और 84 रन बनाए। इस दौरान विराट के बल्ले से 5 चौके निकले। 48वें ओवर में हार्दिक पांडया कैच आउट हुए। उन्होंने 24 गेंदों पर 28 रन ठोके। केएल राहुल 34 गेंदों पर 42 रन और रवींद्र जडेजा 2 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एडम जैम्पा और नाथन एलिस ने 2-2 विकेट चटकाए।

असम में कैंपस खोलने ...

देना है। इसके अलावा, मंत्रिमंडल ने शिवसागर, उत्तर लखीमपुर, नागांव, कनकलता (गोहपुर), जेबी (जोरहाट), गुरु चरण और बोंगाईगांव में नव नियोजित विश्वविद्यालयों के लिए कुलपतियों की नियुक्ति को मंजूरी दी। असम को एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए, सरकार ने दो नई नीतियां भी पेश कीं- असम इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण नीति, 2025 और असम फार्मास्युटिकल और मेडिकल डिवाइस नीति, 2025। शर्मा ने कहा कि इन नीतियों का उद्देश्य व्यापार को आसान बनाना तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मास्युटिकल क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करना है। असम के बाढ़ और कटाव संकट को ध्यान में रखते हुए, मंत्रिमंडल ने राज्य भर में 46 बाढ़ और कटाव नियंत्रण परियोजनाओं के लिए 558 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। बांस को एक टिकाऊ निर्माण सामग्री के रूप में बढ़ावा देने के लिए, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को सभी नए सार्वजनिक भवनों में कम से कम 5 प्रतिशत बांस सामग्री शामिल करने का निर्देश दिया गया है। शर्मा ने कहा कि इस कदम से असम को बांस आधारित अर्थव्यवस्था विकसित करने में मदद मिलेगी और साथ ही टिकाऊ निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। बेरोजगार इंजीनियरों और स्टार्टअप्स को सशक्त बनाने के लिए, कैबिनेट ने पीडब्ल्यूडी की पूर्व-योग्यता मानदंडों में छूट को मंजूरी दी, जिससे असम के स्नातक और डिप्लोमा इंजीनियरों को सख्त पात्रता शर्तों के बिना सरकारी अनुबंधों के लिए बोली लगाने की अनुमति मिल गई। इसके अतिरिक्त, पैन-आईआईटी एलुमनाई रीच फाउंडेशन और असम राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन सोसाइटी (एएसआरएलएमएस) के बीच एक विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) के माध्यम से 90 करोड़ रुपए की कौशल विकास पहल शुरू की जाएगी। शर्मा ने घोषणा की कि असम में दस उच्च गुणवत्ता वाले कौशल केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जो प्रशिक्षण पूरा होने पर युवाओं के लिए नौकरी सुनिश्चित करेंगे। असम में टाटा समूह के अपार योगदान को मान्यता देते हुए, मंत्रिमंडल ने जगीरोड के असम सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स लॉजिस्टिक्स पार्क (एएसईएलपी) का नाम बदलकर रतन टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी (आरटीईसी) करने का फैसला किया है। इस क्षेत्र में टाटा ओएसएटी सेंटर, एक प्रस्तावित टाउनशिप और सामाजिक बुनियादी ढांचा शामिल होगा। बैठक का समापन एक औपचारिक प्रस्ताव के साथ हुआ जिसमें एडवांटेज असम 2.0 पहल के आयोजन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया गया, जिसका उद्देश्य राज्य की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना और वैश्विक निवेश को आकर्षित करना है।

सिपाझार-तिनसुकिया समेत...

संचालन के लिए नेशनल सिक्योरिटी क्लीयरेंस अनिवार्य होगा। सीएम हिमंत ने कैबिनेट की बैठक के बाद प्रेस वार्ता में बताया कि बीते दिनों निवेशकों के सम्मेलन- एडवांटेज असम 2.0 में हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) को आज कैबिनेट की मंजूरी दी गई। उन्होंने बताया कि इस एमओयू के तहत सिपाझार और तिनसुकिया में अलग-अलग विश्वविद्यालयों की स्थापना की जानी है। इस संबंध में सरकार जल्द ही विधानसभा में विधेयक भी पेश करेगी। मंगलवार की प्रेस वार्ता में मुख्यमंत्री शर्मा ने एक और अहम घोषणा की। उन्होंने कहा कि सरकार ने जागीरोड में बन रही इलेक्ट्रॉनिक सिटी का नामकरण दिवंगत उद्योगपति रतन टाटा की स्मृति में करने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि अब जागीरोड इलेक्ट्रॉनिक सिटी का नाम रतन टाटा इलेक्ट्रॉनिक सिटी, जागीरोड होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में कई बड़े फैसले लिए हैं। सीएम हिमंत ने बताया कि असम की कैबिनेट ने आज कई विधेयकों को मंजूरी दी। विधानसभा से इन विधेयकों को मंजूरी के बाद कुछ नए विश्वविद्यालयों की स्थापना होगी। जिन विश्वविद्यालयों के लिए विधेयकों को असम विधानसभा में पेश किया जाएगा उसमें शिवसागर विश्वविद्यालय, उत्तरी लखीमपुर विश्वविद्यालय, नागांव विश्वविद्यालय, स्वाहिद कनकलता बरुआ राज्य विश्वविद्यालय, जगन्नाथ बरुआ विश्वविद्यालय, गुरुचरण विश्वविद्यालय और बंगाईगांव विश्वविद्यालय शामिल हैं। सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार संशोधन विधेयक भी पेश करेगी। कानून में बदलाव के बाद कुलपतियों की नियुक्ति जल्द की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि अब से असम में किसी भी निजी विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा मंजूरी लेनी भी आवश्यकता होगी।

गौरव गोगोई की पत्नी ...

अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी से मदद लेनी पड़ सकती है। उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच अभी शुरुआती चरण में है और आने वाले समय में इसकी जांच जहां तक संभव होगा सरकार वहां तक ले जाएगी। इस मामले में सीएम शर्मा और भाजपा गोगोई के खिलाफ हमलावर हैं। उल्लेखनीय है कि असम और भारत के बारे में पाकिस्तानी नागरिक की सोशल मीडिया पर टिप्पणी की जांच के लिए राज्य की पुलिस ने 17 फरवरी को एसआईटी का गठन किया था। दरअसल शेख पाकिस्तान के योजना आयोग का सलाहकार और गोगोई की ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न का पूर्व सहयोगी रहा है। शेख के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। असम का गृह मंत्रालय भी संभाल रहे सीएम शर्मा ने कहा कि एसआईटी ने पाकिस्तानी नागरिक से जुड़ी कई जानकारी जुटाई है। शर्मा ने कहा कि शेख ने जब भी भारत का दौरा किया, उस दौरान उसके साथ पाकिस्तान के अटॉर्नी जनरल सहित कई लोग भी साथ रहे। उसके दौरे 2018 तक जारी रहे। शेख ने 18 से 20 बार भारत का दौरा किया और उस दौरान उसने असम के बारे में सोशल मीडिया पर टिप्पणी की और असमिया लोगों के संपर्क में रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने उस असमिया महिला का पता लगा लिया है, जिसका पति जेएनयू में काम करते हैं और दोनों उस पाकिस्तानी नागरिक के साथ संपर्क में थे। उन्होंने कहा कि जांच किसी एक व्यक्ति के खिलाफ नहीं, बल्कि ऐसा लगता है कि भारत के अंदर आईएसआई और पाकिस्तान की सरकार दखल दे रही है और उसकी जांच जरूरी है। यह उल्लेखनीय है कि इसमें असम के लोग संलिप्त हैं, इसलिए हम इसपर नजर रख रहे हैं। लेकिन इसपर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं कर सकते। इसके लिए दोत-तीन महीने का वक्त चाहिए।

मुख्यमंत्री ने जेएनयू को ...

किया कि शेख ने 2018 से पहले 18 से 20 बार पूरे भारत की यात्रा की थी। उन्होंने कहा कि एसआईटी उसकी गतिविधियों और संबंधों की जांच कर रही है। जरूरत पड़ने पर हम इंटरपोल की सहायता भी ले सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई पर तीखा हमला किया और उनके पाकिस्तान से कथित संबंधों पर सवाल उठाए। उन्होंने झुमर बिनंदिनी पर अखिल गोगोई की टिप्पणियों पर भी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और उन्हें निराधार बताया। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षित लोगों ने यह नृत्य किया। उन्होंने कहा कि इसमें कोई नाबालिग लड़की शामिल नहीं थी, इसलिए परीक्षा में अनुपस्थित रहने का सवाल ही नहीं उठता। अशोक सिंघल के भाओना पर दिए गए कथित विवादित बयान पर टिप्पणी करते हुए शर्मा ने इस मुद्दे से खुद को अलग करते हुए कहा कि आपको ऐसे आयोजनों के लिए उनके बजाय मुझे आमंत्रित करना चाहिए था। असम लोक सेवा आयोग (एपीएससी) के पूर्व अध्यक्ष राकेश पॉल से जुड़े भर्ती घोटाले पर उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी कांग्रेस नेता का नाम उनकी सूची में नहीं है। यह घोटाला पूरी तरह से पैसे और महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमता है।

विकसित भारत समाचार के ...

सहयोगी संपादक के रूप में पदोन्नत किया गया। वे दोनों पिछले कई सालों से विभिन्न समाचार पत्रों से जुड़े हुए हैं। साथ ही कई सामाजिक संगठनों से भी उन दोनों का जुड़ाव अनवरत चल रहा है। प्रदीप शील लालगणेश, प्रगति नगर के और रविशंकर चौधरी उजानबजार, आरीकाटी बस्ती के निवासी हैं। अपने इस विशाल उपलब्धी पर उन्होंने कहा कि अखबारों के सामने आने वाली चुनौतियों के बावजूद प्रिंट मीडिया हमेशा एक विश्वसनीय माध्यम के रूप में जीवित रहेगा। यह जिम्मेदारी चुनौतीपूर्ण है, लेकिन कठिन नहीं है। इसमें हमारा हर परिस्थिति में सहयोग जारी रहेगा।

अब शिकायत पर ...

तरह सजग रहना होगा। टीएमसी ने आरोप लगाया है कि कई राज्यों के मतदाताओं के पास मतदाता पहचान पत्र एक ही नंबर के हैं। आयोग ने कहा कि कुछ मतदाताओं के मतदाता फोटो पहचान पत्र के नंबर एक समान हो सकते हैं। मगर जनसांख्यिकी, विधानसभा क्षेत्र और मतदान केंद्र अलग-अलग होंगे। रविवार को चुनाव आयोग ने कहा था कि इस समस्या को ठीक करेगा। वह अपने तकनीकी प्लेटफॉर्म को भी अपडेट करेगा। आयोग ने कहा कि डुप्लीकेट नंबर का मतलब यह जरूरी नहीं है कि मतदाता नकली हों। टीएमसी ने चुनाव आयोग के स्पष्टीकरण को खारिज कर दिया है। पार्टी का कहना है कि दो वोटर आईडी कार्ड के नंबर एक नहीं हो सकते हैं। पार्टी का आरोप है कि मतदाता पहचान पत्र जारी करने में घोटाला हुआ है। टीएमसी ने अपने दावे के समर्थन में निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों को दी जाने वाली आयोग की पुस्तिका के कुछ अंशों को साझा किया और कहा कि पुस्तिका के मुताबिक वोटर आईडी कार्ड के नंबर एक समान नहीं हो सकते हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने 18 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों को बतौर मतदाता पंजीकृत करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर के अधिकारियों को मतदाताओं के साथ विनम्र व्यवहार करना चाहिए। उनके इसका प्रशिक्षण भी दिया जाए।

गुटखा खाने के ...

वह कटा हुआ सिर लेकर चंदुआ थाने पहुंच गया और आत्मसमर्पण कर दिया। उसकी मां मौके से फरार हो गई। आरोपी और उसके माता-पिता के बीच तीखी नोकझोंक के बाद ये हत्या की गई। मृतक की पहचान बैधार सिंह के रूप में हुई है। बारीपदा के उप-विभागीय पुलिस अधिकारी प्रवत मल्लिक ने बताया कि एक मामूली सी बात पर हत्या की गई। आरोपी तब नाराज हो गया जब उसके पिता ने गुटखे के लिए 10 रुपए देने से इनकार कर दिया। अधिकारी ने बताया कि पुलिस फोरेंसिक टीम के साथ गांव पहुंची और जांच जारी है।

सरकार छह समुदायों ...

और चाय जनजाति को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिया जाए। पेगु, जो जनजातीय मामलों के विभाग की भी देखरेख करते हैं, ने इस बात पर जोर दिया कि पुनर्गठित मंत्री समूह ने विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श पूरा कर लिया है, जिसमें एसटी का दर्जा चाहने वाले छह समुदायों के प्रतिनिधि भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हितधारकों के बीच अलग-अलग राय ने शुरू में एक चुनौती पेश की थी, लेकिन चर्चा को सुविधाजनक बनाने और आम सहमति तक पहुँचने के प्रयास किए गए। पेगू ने कहा कि मंत्री समूह मार्च के भीतर अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंप देगा। हम इस सत्र के भीतर इसे समय पर प्रस्तुत करने के लिए प्रयास कर रहे हैं, लेकिन यदि यह संभव नहीं है, तो हम आश्वासन देते हैं कि इसे अगले सत्र में प्रस्तुत किया जाएगा। बजट सत्र 25 मार्च को समाप्त होने वाला है। मूल मंत्री समूह का गठन पूर्व मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल के नेतृत्व में किया गया था और बाद में हिमंत विश्व शर्मा के मुख्यमंत्री बनने के बाद इसका पुनर्गठन किया गया था। पेगू के आश्वासन के बाद सैकिया ने प्रस्ताव वापस ले लिया।

अगले महीने मिलेगा ...

श्रीनिवास के नाम सबसे आगे हैं। दग्गुबाती पुरंदेश्वरी 2014 में भाजपा में शामिल हुई थीं और संगठनात्मक अनुभव के साथ दक्षिण भारत में उनकी मजबूत पकड़ है। उन्हें *दक्षिण की सुषमा* भी कहा जाता है। वहीं, वनती श्रीनिवास भी एक मजबूत उम्मीदवार मानी जा रही हैं, जिनका तमिलनाडु में बड़ा प्रभाव है। इन दो महिला नेताओं के अलावा शिवराज सिंह चौहान, मनोहर लाल खट्टर और धर्मेंद्र प्रधान के नाम भी चर्चा में हैं। हालांकि, सूत्रों के मुताबिक, शिवराज सिंह चौहान और धर्मेंद्र प्रधान को लेकर भाजपा और आरएसएस सहमत हैं, लेकिन मनोहर लाल खट्टर के नाम पर अमित शाह को ऐतराज है। भाजपा की रणनीति के तहत, तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों में पार्टी के विस्तार के लिए दक्षिण भारत से अध्यक्ष बनाए जाने के संकेत दिए जा रहे हैं। अगले कुछ महीनों में केरल और तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने हैं, ऐसे में पार्टी अपने संगठन को मजबूत करने के लिए दक्षिण भारत से नेतृत्व दे सकती है। अब सभी की नजरें 18-20 अप्रैल की बैठक पर टिकी हैं, जहां भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का आधिकारिक एलान किया जाएगा।

तुम्हारे पिता को ...

सदस्य (एमएलसी) नीरज कुमार की ओर रुख करते हुए कहा कि आपको लालू जी पर निशाना साधना और उन्हें जेल में रहने के दौरान दिए गए कैदी नंबर से बुलाना बहुत पसंद है। लालू जी को बिना कुछ गलत किए सजा मिली। चारा घोटाले में आरोपपत्र दाखिल होने के कारण राजद प्रमुख को 1997 में मुख्यमंत्री का पद छोड़ना पड़ा और अपनी पत्नी को कमान सौंपनी पड़ी थी। प्रसाद को 2013 में चारा घोटाले के एक मामले में दोषी ठहराया गया था और उसके बाद से उन्हें कई अन्य मामलों में दोषी ठहराया गया है। रेल मंत्री रहने के दौरान राजद प्रमुख के कार्यकाल में *जमीन के बदले नौकरी* तथा होटल घोटाला मामले में वह और उनके परिवार के अन्य सदस्य वर्तमान में ईडी के रडार पर हैं। राबड़ी देवी ने जद(यू) नेता पर यह टिप्पणी करते हुए भी कटाक्ष किया कि आप लोग ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग के डर में जीते हैं। हमें देखिए, हमें हर दूसरे दिन इन एजेंसियों द्वारा नोटिस दिए जाते हैं। लेकिन हम बिना किसी डर के बिहार में रह रहे हैं और काम कर रहे हैं।

सर्बिया की संसद ...

जिससे संसद भवन के अंदर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। यह पूरा घटनाक्रम संसद सत्र के लाइव प्रसारण में भी कैद हुआ। वीडियो में दिखाया गया कि संसद में धुआंधार ग्रेनेड फेंकने के बाद चारों तरफ घना काला और लाल धुआं फैल गया। सांसदों के बीच धक्का-मुक्की और हाथापाई तक की नौबत आ गई। विपक्षी सांसदों का कहना है कि सरकार छात्रों की मांगों को नजरअंदाज कर रही है और लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर रही है। वे चाहते हैं कि सरकार प्रदर्शनकारियों की बात सुने और उनकी मांगों को स्वीकार करे। विपक्षी नेताओं ने इस प्रदर्शन को लोकतंत्र की रक्षा के लिए जरूरी कदम बताया है। सरकार ने विपक्षी सांसदों की इस हरकत को *लोकतांत्रिक प्रणाली पर हमला* करार दिया है। सर्बियाई प्रधानमंत्री ने इसे संसद की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला कृत्य बताया और कहा कि इस घटना की जांच की जाएगी। संसद में हंगामे के बाद सुरक्षाबलों को बुलाया गया और स्थिति को नियंत्रण में लाया गया।

केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने एएमसीएच में रोगी देखभाल केबिन की आधारशिला रखी

डिब्रूगढ़ (हिंस)। डिब्रूगढ़ स्थित असम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (एएमसीएच) में मंगलवार को केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने 37 बिस्तरों वाले रोगी देखभाल केबिन की आधारशिला रखी। यह परियोजना ऑयल इंडिया लिमिटेड की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) योजना के तहत 8.89 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होगी। इस पहल का उद्देश्य रोगियों को बेहतर चिकित्सा सुविधा प्रदान करना और राज्य की बढ़ती स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करके असम की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाना है। डिब्रूगढ़ में अपने संबोधन के दौरान, सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि असम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, जो उत्तर-पूर्वी भारत का पहला मेडिकल कॉलेज है, न केवल असम के विभिन्न हिस्सों से बल्कि पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में मरीजों को आकर्षित करता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह नई पहल अस्पताल की बुनियादी संरचना को और सशक्त बनाएगी और राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र में अभूतपूर्व सुधार हुए हैं, जिससे समाज के सभी वर्गों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस अवसर पर असम पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष ऋतुपर्ण बरुवा, डिब्रूगढ़ विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष असीम हजारिका, ऑयल इंडिया लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारी, असम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के प्राचार्य सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। वहीं एक अन्य कार्यक्रम में, केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने पॉलीटेक्निक छात्र एकता सभा और डिब्रूगढ़ पॉलीटेक्निक संस्थान के संयुक्त सहयोग से आयोजित *ऑल पॉलिमिट 2025* कार्यक्रम

में भाग लिया। अपने संबोधन में मंत्री ने कहा कि आज का युग प्रतिस्पर्धा का युग है। प्रतिस्पर्धा में आगे रहने के लिए हमें अपनी प्रतिभा को निखारना और अपनी रचनात्मकता को विकसित करना होगा। उन्होंने कहा कि तकनीक हर दिन बदल रही है। जो आज प्रासंगिक है, वह कल अप्रासंगिक हो सकती है। प्रतिस्पर्धा हर क्षेत्र में है, चाहे वह व्यवसाय, शिक्षा या विकास का क्षेत्र हो। इसलिए, आगे बढ़ने के लिए हमें निरंतर सीखते रहना होगा और समय के साथ खुद को तकनीकी रूप से सक्षम बनाना होगा। उन्होंने स्वस्थ शरीर और मन के महत्व पर भी जोर दिया और लोगों को योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने की सलाह दी ताकि वे शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकें। इस कार्यक्रम में असम पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष ऋतुपर्ण बरुआ, डिब्रूगढ़ नगर निगम के मेयर सैकत पत्र, डिब्रूगढ़ विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष असीम हजारिका, टोंकेश्वर सोनोवाल, रूपक गोगोई, छात्र एकता सभा के पदाधिकारी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मियां समुदाय पर मंत्री सिंघल की टिप्पणी से विवाद

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मंत्री अशोक सिंघल द्वारा *मियां* समुदाय को निशाना बनाकर दिए गए बयान से राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया है। उल्लेखनीय है कि एक सार्वजनिक सभा के दौरान राज्य के स्वास्थ्य मंत्री अशोक सिंघल द्वारा मियां समुदाय को लेकर दिए गए बयान के विरोध में विपक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मंत्री की इस टिप्पणी की निंदा की है और इसे भड़काऊ और विभाजनकारी बताया है। विपक्ष का कहना है कि इस विवाद ने सांप्रदायिक सद्भाव और व्यापार समावेशिता पर बहस को फिर से हवा दे दी है। खासकर त्योहारों के दौरान इसको लेकर विवाद छिड़ गया

है। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के विधायकों ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मंगलवार को असम विधानसभा में सिंघल के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव पारित करने की मांग की। विधानसभा में विरोध प्रदर्शन करते हुए एआईयूडीएफ विधायकों ने अपनी मांग पर जोर दिया, जिसके कारण स्पीकर बिस्वजीत दैमारी को हंगामे के बीच सत्र को 20 मिनट के लिए स्थगित करना पड़ा।

यह चेयर असम और छत्तीसगढ़ के बीच सांस्कृतिक और शैक्षणिक आदान-प्रदान को सुगम बनाएगी : राज्यपाल

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने श्रीमंत शंकरदेव चेयर के लिए धनराशि प्रदान करने और इस प्रकार असम की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने में योगदान देने के लिए छत्तीसगढ़ के

राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साई की उदारता के लिए हार्दिक प्रशंसा व्यक्त की। उल्लेखनीय है कि 2025-26 के राज्य बजट में, छत्तीसगढ़ सरकार ने पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में *श्रीमंत शंकरदेव चेयर* की स्थापना के लिए दो करोड़ रुपए की राशि आवंटित की है। इस चेयर का निर्माण श्रद्धेय संत-विद्वान, श्रीमंत शंकरदेव की शिक्षाओं और योगदानों पर विद्वानों के शोध और अकादमिक अन्वेषण की सुविधा के लिए किया गया था, जिन्होंने असम के सामाजिक-सांस्कृतिक परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। राज्यपाल आचार्य ने इस कदम के लिए अपनी गहरी प्रशंसा व्यक्त की, जो असम और छत्तीसगढ़ के बीच मजबूत सांस्कृतिक संबंधों को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह योगदान श्रीमंत शंकरदेव की विरासत के गहन अध्ययन, शोध को बढ़ावा देने में एक लंबा रास्ता तय करेगा। यह चेयर विद्वानों को असम के इतिहास, कला, साहित्य और आध्यात्मिक विरासत पर श्रीमंत शंकरदेव के गहन प्रभाव को समझने का अवसर प्रदान करेगी। आचार्य ने कहा कि श्रीमंत शंकरदेव चेयर की स्थापना भक्ति आंदोलन, साहित्य और संस्कृति में संत के गहन योगदान के अध्ययन को आगे बढ़ाने और मजबूत करने के लिए एक मूल्यवान शैक्षणिक मंच के रूप में काम करेगी। राज्यपाल आचार्य ने इस महत्वपूर्ण पहल का समर्थन करने में उनके दृष्टिकोण और नेतृत्व के लिए राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साई दोनों को बधाई दी।

राभा हसोंग स्वायत्तशासी परिषद चुनाव की मतदाता सूची प्रकाशित

गुवाहाटी (हिंस)। असम राज्य निर्वाचन आयोग ने आगामी राभा हसोंग स्वायत्तशासी परिषद चुनाव, 2025 के लिए मतदाता सूची को प्रकाशित कर दी है। मुख्य चुनाव अधिकारी द्वारा मंगलवार को बताया गया कि यह चुनाव कामरूप और ग्वालपाड़ा जिलों के अंतर्गत आने वाले 36 परिषदीय क्षेत्रों में होगा। आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, कामरूप जिले में 237 मतदान केंद्र होंगे, जहां 92,922 पुरुष और 98,020 महिला मतदाता समेत कुल 1,90,942 मतदाता पंजीकृत हैं। वहीं, ग्वालपाड़ा जिले में 393 मतदान केंद्र होंगे, जिनमें 1,23,259 पुरुष, 1,31,374 महिला और 11 अन्य मतदाता शामिल हैं, जिससे कुल मतदाता संख्या 2,54,644 हो जाती है। इस प्रकार, दोनों जिलों में कुल 630 मतदान केंद्रों में 2,16,181 पुरुष, 2,29,394 महिला और 11 अन्य मतदाताओं को मिलाकर कुल 4,45,586 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

विधायक कलिता ने की भरलू और मराभरलू के लिए मास्टर प्लान की मांग

गुवाहाटी (हिंस)। पश्चिम गुवाहाटी के विधायक रमेंद्र नारायण कलिता ने प्रदूषित भरलू और मराभरलू नदियों का जीर्णोद्धार करने के लिए एक व्यापक मास्टर प्लान का प्रस्ताव रखा है। बजट सत्र के दौरान अपनी सिफारिशें पेश करते हुए उन्होंने इन महत्वपूर्ण जल निकायों में अपशिष्ट संचय को रोकने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। गुवाहाटी की प्रमुख नदियों- बाहिनी, भरलू और मराभरलू की बिगड़ती स्थिति पर जोर देते हुए कलिता ने बताया कि कैसे अनियंत्रित कचरा डंपिंग ने इन्हें खुले नालों में बदल दिया है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के एक सर्वेक्षण ने भरलू और मराभरालू को भारत की सबसे प्रदूषित नदियों में शुमार किया है। जबकि, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) समय-समय पर इसकी सफाई करता है, लेकिन ये प्रयास कारगर नहीं रहते हैं, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य को खतरे में डालने वाले गहरे प्रदूषण को दूर करने में विफल रहते हैं। अपने भाषण में कलिता ने सरकार से अधिक प्रभावी सफाई रणनीति के लिए नदी के रखरखाव की जिम्मेदारियों को पीडब्ल्यूडी से जल संसाधन विभाग को सौंपने का आग्रह किया। उन्होंने उचित निस्पंदन और रखरखाव सुनिश्चित करने के लिए एक समर्पित जल और सीवेज उपचार प्रणाली की स्थापना का भी आह्वान किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने अवैध अपशिष्ट डंपिंग को रोकने के लिए नदी के किनारों पर स्ट्रीट लाइट और सीसीटीवी कैमरे लगाने का प्रस्ताव रखा।

पहली बार *ग्रेट इंडियन कोस्टल साइक्लोथॉन* का शुभारंभ करेगा

गुवाहाटी। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) अपने 56वें स्थापना दिवस समारोह के उपलक्ष में पहली बार *ग्रेट इंडियन कोस्टल साइक्लोथॉन* शुरू करने जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य तटीय क्षेत्रों में सामान्य सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाना है, जिसमें ड्रग्स, हथियार और विस्फोटकों सहित तस्करी से उत्पन्न खतरों पर प्रकाश डाला गया है। 14 महिलाओं सहित कुल 125 समर्पित सीआईएसएफ साइकिल चालक 25 दिनों में 11 राज्यों को कवर करते हुए 6,553 किलोमीटर लंबी कठिन यात्रा पर निकलेंगे। यह अभियान 7 मार्च 2025 को दो शुरुआती बिंदुओं से शुरू होगा; पश्चिमी तट पर गुजरात के लखपत और पूर्वी तट पर पश्चिम बंगाल के बक्खाली। साइकिल चालक 31 मार्च 2025 को कन्याकुमारी में स्वामी विवेकानंद स्मारक पर समापन से पहले मुंबई, गोवा, मैंगलोर, कोच्चि, हल्दिया, कोनार्क, विजाग, चेन्नई और पांडिचेरी सहित प्रमुख तटीय शहरों से गुजरेंगे। साइक्लोथॉन को भारत के माननीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा सीआईएसएफ क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र, थक्कोलम, रानीपेट, जिला- तमिलनाडु से वर्चुअली हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। 3,775 किलोमीटर की दूरी तय करने वाला पश्चिमी मार्ग गुजरात के लखपत किले से शुरू होगा, जबकि 2,778 किलोमीटर की दूरी तय करने वाला पूर्वी मार्ग पश्चिम बंगाल के बक्खाली समुद्र तट से शुरू होगा। रास्ते में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें सीआईएसएफ की टीमें, स्कूली बच्चे और एनसीसी समूह प्रदर्शन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे। प्रमुख कार्यक्रम लखपत किला, सूरत, गेटवे ऑफ इंडिया, मोरमुगाओ पोर्ट (गोवा), मैंगलोर, कोचीन, कोणार्क, विजाग, चेन्नई और पांडिचेरी सहित प्रमुख स्थानों पर आयोजित किए जाएंगे। सीआईएसएफ ने नागरिकों को अपनी पसंद के किसी भी हिस्से में साइक्लोथॉन में शामिल होकर इस ऐतिहासिक पहल का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया है। जो लोग शारीरिक रूप से भाग लेने में असमर्थ हैं, वे अपना समर्थन दिखाने के लिए 222.सीआईएसएफसाइक्लॉथॉनडॉटकॉम पर वर्चुअल रैली के लिए पंजीकरण कर सकते हैं।

एसएसबी ने सिग्नेचर फॉइनेस्ट पान मसाला के साथ अवैध इमारती लकड़ियों को किया जब्त

कोकराझाड़ (विभास)। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल ने सीमावर्ती कार्यक्षेत्र दादगिरी के भारत-भूटान गेट में रुटीन चेकिंग ड्यूटी के दौरान गाड़ी संख्या एस 01 बीई 5148 ओमनि वैन को रोक कर तलाशी लिए जाने पर गाड़ी में सिग्नेचर फॉइनेस्ट पान मसाला के 180 पैकेट पाए गए। गाड़ी चालक सामान से संबंधित कोई भी कागजात दिखाने में असफल रहा। गाड़ी चालक द्वारा अवैध तरीके से ले जा रहे सामान को चेकिंग टीम द्वारा जब्त किया गया। जब्त किए गए सामान व चालक सहित वाहन को कस्टम ऑफिस हातीसार को कार्रवाई हेतु सुपुर्द कर दिया गया। साथ ही दिनांक 03.03.2025 को सीमा चौकी टुकड़ाबस्ती को मिली गुप्त सूचना के आधार पर ज्वाइंट नाका टीम

एसएसबी व फॉरेस्ट बीट ऑफिस बीट ऑफिस देवश्री को अग्रिम कार्रवाई देवश्री द्वारा वॉर्डर पिलर संख्या 165/3 से लगभग 450 मी. दूर अवैध तरीके से ले जायी जा रही इमारती लकड़ियों (2500 सीएटी) को 06 साईकिल सहित जब्त किया गया। जब्त किए गए लकड़ियों एवं साईकिल को फॉरेस्ट हेतु सुपुर्द कर दिया गया। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल भारत-भूटान सीमा पर भारतीय वन क्षेत्रों में गश्ती एवं चौकसी के कारण तश्करों की गलत गतिविधियों पर अंकुश लगाने में सफल हुई हैं।

तेरापंथ महिला समाज का होलिका रंगारंग कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। तेरापंथ महिला समाज द्वारा होली का रंगारंग कार्यक्रम स्थानीय तेरापंथ धर्म स्थल में रखा गया। गणेश वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। अमराव देवी बोथरा व ममता दुग्गड़ ने सभी बहनों का स्वागत किया। समाज की बहनों द्वारा नृत्य लघु नाटिका, आकस्मिकप्रश्नोत्तरी, लकी ड्रा इत्यादि कई मनोरंजक कार्यक्रम किए गए। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण था ताल छापर से पधारे राजस्थान म्यूजिक ग्रुप जिन्होंने होली के गीतों की धमाल मचाई व सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का कुशल संयोजन विनीता सुराणा व माला सुराणा ने किया। कार्यक्रम संयोजिका सुचित्रा छजेड़ व सुशीला मालू ने दर्शक बहनों से कई मजेदार प्रश्न पूछे इस आशय की जानकारी देते हुए विनीता सुराणा ने बताया कि सभी प्रतिभागि बहनों व कर्यकर्ताओं बहनों को परितोषित देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम संयोजिका सरोज बरड़िया, मीरा सुराणा, रंजू बरड़िया, मीनू दूधोड़िया, शिखा बोथरा व सभी बहनों के परिश्रम व सहयोग से यह कार्यक्रम सफल रहा।

विधायक अशरफुल हुसैन एक घंटे के लिए सदन से निलंबित

गुवाहाटी (हिंस)। असम विधानसभा के बजट सत्र के छठे दिन सदन की कार्रवाई प्रश्नोत्तर सत्र के साथ शुरू हुई। इस दौरान अनुशासनहीनता के चलते विधानसभा अध्यक्ष ने विधायक अशरफुल हुसैन को सदन से एक घंटे के लिए निलंबित कर दिया गया। मंगलवार को सदन में कार्रवाई के दौरान विधायक अशरफुल हुसैन लगातार अनुशासनहीनता कर रहे थे। विधानसभा अध्यक्ष बिश्वजीत दैमारी ने उन्हें अनुशासन बनाए रखने की चेतावनी दी, लेकिन लगातार सदन की मर्यादा भंग करने की कोशिश करते रहे। सदन में हंगामा करने के कारण अध्यक्ष ने विधायक अशरफुल को एक घंटे के लिए सदन से निलंबित करने का निर्णय लिया। सदन में विधायक पर निलंबन पर विपक्ष ने नाराजगी जताई और इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विरुद्ध बताया। वहीं, सत्तापक्ष का कहना है कि सदन की गरिमा बनाए रखना जरूरी है।

नौकरी नियमितीकरण की मांग को लेकर एनएचएम कर्मियों ने कोकराझाड़, गोसाईगांव और खैराबाड़ी में किया प्रदर्शन

कोकराझाड़ (विभास)। राज्य के अन्य जिलों के साथ-साथ कोकराझाड़ जिले में भी संविदा एनएचएम (राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन) तकनीकी कर्मचारियों ने 4 मार्च से शुरू होकर 6 मार्च तक तीन दिवसीय हड़ताल की है। कोकराझाड़ शहर के मध्य में स्थित रूपनाथ ब्रह्म सिविल अस्पताल के परिसर में करीब एनएचएम कर्मचारी एकत्र हुए। उन्होंने बैनर लेकर सरकार के समक्ष नौकरी नियमितीकरण की जोरदार मांग उठाई। गौरतलब है कि प्रदर्शनकारी एनएचएम कर्मचारी राज्य स्वास्थ्य विभाग के तहत स्थायी पदों के साथ-साथ नव स्थापित मेडिकल कॉलेजों और अन्य स्वास्थ्य सेवा संस्थानों के लिए विशेष नियुक्ति प्रक्रिया के माध्यम से भर्ती की मांग कर रहे हैं। जब तक उनकी नौकरी नियमित नहीं हो जाती, तब तक कर्मचारी उचित वेतनमान प्रणाली के कार्यान्वयन, वेतन संरक्षण और 1 जनवरी 2016 से प्रभावी 7वें वेतन आयोग के अनुसार लाभ के प्रावधान की भी मांग कर रहे हैं, जिसमें राज्य कर्मचारियों के समान बकाया और अन्य सुविधाएं शामिल हैं। इन चार प्रमुख मांगों के समर्थन में, कर्मचारियों ने अपने लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों की ओर ध्यान आकर्षित करने और सरकार से स्थायी समाधान के लिए दबाव बनाने के लिए यह हड़ताल की है। वही जिले के गोसाईगांव मे भी एनएचएम कर्मियों ने प्रदर्शन किया। **रंगिया** से हमारे संवाददाता के अनुसार राज्य की स्वास्थ्य एवं तकनीकी कल्याण संस्था एनएचएम कर्मियों ने राज्यभर के साथ साथ खैराबाड़ी में भी मंगलवार से 6 मार्च तक के लिए तीन दिवसीय कार्य विराम प्रारंभ कर दिया। खैराबाड़ी ब्लॉक पीएचसी के अंतर्गत एनएचएम के सैकड़ों कर्मियों ने उनकी नौकरी नियमित करने, सातवें वेतन आयोग के अनुसार एनएचएम कर्मियों के वेतन का भुगतान, स्वास्थ्य विभाग के स्थायी पद एनएचएम कर्मियों की नियुक्ति आदि की मांग करते हुए यह कार्य विराम प्रारंभ किया गया है। इस मौके पर कर्मियों ने कहा कि सरकार द्वारा आश्वासन देने के बाद भी उनकी मांगों को पूरा नहीं किया गया है, उन्होंने बताया कि सरकार अगर उनकी मांगें पूरी नहीं करती है तो वे आने वाले दिनों में अधिक लोकतांत्रिक आंदोलन शुरू करेंगे। कार्यक्रम में अखिल असम स्वास्थ्य और तकनीकी कल्याण संस्था एनएचएम उदालगुड़ी जिलासमिति के अध्यक्ष डॉ. बीजू कुमार शर्मा, सचिव निहिरी बासुमतारी, पूर्व अध्यक्ष डॉ. हेम चंद्र कछारी, खैराबाड़ी ब्लॉक समिति के अध्यक्ष डॉ. हृदय कुमार काकोती, सचिव रिजुआना सुल्ताना और सहायक सचिव रोसालिया धन मौजूद रहे।

महाकुंभ मेले में तीन गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स अंकित

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को प्रमाण पत्र सौंपे गए

प्रयागराज/गुवाहाटी। उत्तर प्रदेश सरकार के प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने भव्य महाकुंभ मेले के दौरान स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक विरासत में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए तीन गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स अपने नाम किए हैं। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के प्रमाण पत्र उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंपे गए। इस अवसर पर प्रयागराज मेला प्राधिकरण के मेलाधिकारी श्री विजय किरण आनंद और वर्ल्ड रिकॉर्ड रणनीतिकार निश्चल बारोट भी उपस्थित थे। निश्चल बारोट ने इन रिकॉर्ड प्रयासों की योजना और निष्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पहला गिनीज रिकॉर्ड कई स्थानों पर सबसे अधिक लोगों द्वारा फर्श की सफाई का है, जिसमें 19,287 प्रतिभागियों ने स्वच्छ भारत अभियान के तहत योगदान दिया। इस पहल ने सार्वजनिक स्वच्छता बनाए रखने और सफाई को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को मजबूत किया। दूसरा रिकॉर्ड कई स्थानों पर सबसे अधिक प्रतिभागियों द्वारा नदी सफाई अभियान का है, जिसमें 329 स्वयं सेवकों ने प्रयागराज

की पवित्र नदियों की सफाई में भाग लिया और नमामि गंगे मिशन का समर्थन किया। इस पहल ने जल संरक्षण और कचरा प्रबंधन के महत्व को रेखांकित किया। तीसरा रिकॉर्ड आठ घंटे में सबसे अधिक लोगों द्वारा हैंडप्रिंट पेंटिंग बनाने का है, जिसमें 10,102 प्रतिभागियों ने समुद्र मंथन की पौराणिक घटना को दर्शाने वाली भव्य कलाकृति तैयार की। यह पेंटिंग महाकुंभ मेले के सांस्कृतिक महत्व को प्रतिबिंबित करने के साथ-साथ एकता, भक्ति और आध्यात्मिक सद्भाव का प्रतीक बनी। वर्ल्ड रिकॉर्ड रणनीतिकार निश्चल बारोट ने कहा कि इन गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स को हासिल करना केवल एक मानक स्थापित करना नहीं है, बल्कि करोड़ों लोगों को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक धरोहर के प्रति जागरूक करने की प्रेरणा देना है। उन्होंने जनभागीदारी और सफल आयोजन को उत्तर प्रदेश के लोगों की सामूहिक शक्ति और प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज मेला प्राधिकरण और उत्तर प्रदेश के नागरिकों के प्रयासों की सराहना की और इन रिकॉर्ड उपलब्धियों को साकार करने में उनकी सक्रिय भागीदारी की प्रशंसा की। उन्होंने महाकुंभ मेले के वैश्विक महत्व को रेखांकित किया, इसे केवल एक आध्यात्मिक संगम ही नहीं बल्कि स्वच्छता और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने का एक प्रभावी मंच भी बताया। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के प्रमाण पत्र एक भव्य समारोह में आधिकारिक रूप से सौंपे गए, जिससे उत्तर प्रदेश की वैश्विक रिकॉर्ड-स्थापना पहलों में प्रमुखता को और अधिक मजबूती मिली। मेलाधिकारी विजय किरण आनंद के नेतृत्व में प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने बड़े पैमाने पर कार्यक्रम प्रबंधन का एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया, जो स्वच्छ भारत और सतत विकास के उद्देश्यों के अनुरूप है। इन उपलब्धियों ने प्रयागराज की वैश्विक पहचान को और मजबूत किया है, जिससे महाकुंभ मेला केवल एक धार्मिक आयोजन न रहकर सांस्कृतिक और पर्यावरणीय महत्व का एक वैश्विक आंदोलन बन गया है।

অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

No.48PSC/CON/Exam-08/2024-2025 Dated Guwahati the 4th March, 2025

RESULT

The Assam Public Service Commission hereby declares today, the 4th March, 2025, the result of the recruitment for the post of ***Tourism Development Officer (Grade-II) under the Directorate of Tourism, Govt. of Assam*** (Advt. No. 05/2024, Date: 27/02/2024).

The Interviews for the said posts were conducted by the Commission on 3rd and 4th March, 2025. The Commission recommended the following candidates for the said posts in order of merit.

No. of Posts : 2 Nos. (RFW:3, PwWBD:1-OH including Locomotor Disability)
Break-up : OC: 8 (RFW:2), OBC/MOBC: 3 (RFW:1), STP: 1

Postion	Roll No.	Name of Candidate	Category	Gender	PwBD	Recommended against Vacancy
1.	16335	PRAGYAN PARASAR NEOG	GEN	M		OPEN CATEGORY
2.	11512	BIDYUT BORAH	OBC	M		OPEN CATEGORY
3.	17273	RITISHA BORA	GEN	F		OPEN CATEGORY
4.	11540	BIJIT KUMAR ROY	OBC	M		OPEN CATEGORY
5.	15003	MIZANUR RAHMAN	GEN	M		OPEN CATEGORY
6.	18152	SIMANTA SAIKIA	OBC	M		OPEN CATEGORY
7.	10369	AMAN CHHETRY	OBC	M		RESERVED
8.	16334	PRAGYAN JYOTI NATH	OBC	M		RESERVED
9.	13787	JUKTASRI BORA	OBC	F		OPEN CATEGORY
10.	18121	SIKHRUPA KUNDU	OBC	F		RESERVED
11.	15009	MOHENDRA PEGU	STP	M		RESERVED
12.	19173	JUGABRAT KALITA	GEN	M	OH	OPEN CATEGORY

NB: Results may be accessed through the APSC's website www.apsc.nic.in

Principal Controller of Examinations,
Assam Public Service Commission,
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- Janasanyog /D/13223/24/5-Mar-25

संपादकीय

क्यों किया यह बर्बर पाप

प्रयागराज महाकुंभ सामाजिक सद्भाव, सांप्रदायिक सौहार्द, एकता, अखंडता, विविधता का प्रतीक बन गया। देश-विदेश के 66.30 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा, यमुना, सरस्वती के त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकियां लीं। जातीय, वर्गीय, नस्लीय सरीखे तमाम रंग-भेद संगम में डूब गए। कोई अगड़े-पिछड़े या अमीर-गरीब का टकराव नहीं हुआ और न ही तनाव फैला। डेढ़ माह के इनसानी, सांस्कृतिक, वैश्विक समागम ने विश्व-कीर्तिमान रचे और एक खास किस्म के 'जनमत संग्रह' का इतिहास लिख दिया। विश्व में एक भी आध्यात्मिक, मजहबी समागम ऐसा नहीं है, जो महाकुंभ के एक-चौथाई आयोजन के भी समान हो। यह हमें इसलिए बताना पड़ रहा है, क्योंकि महाकुंभ के सम्पन्न होने के अगले दिन ही प्रयागराज शहर में एक कुत्सित, घिनौनी, बर्बर, क्रूर कोशिश सामने आई, जिसने महाकुंभ के भव्य समन्वय, आदर्श भाईचारे और खूबसूरत सह-अस्तित्व को कुरूप और सांप्रदायिक बनाने का प्रयास किया। धन्यवाद प्रशासन का, जिसने तनाव नहीं फैलने दिया और तुरंत केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। दरअसल हम ऐसी घटनाओं और अपराधों को सुर्खियां बनाने के पक्षधर नहीं रहे हैं, लिहाजा उन्हें नजरअंदाज करते रहे हैं। चूंकि इस क्रूर कृत्य के पीछे महाकुंभ की छवि दागदार करने की राक्षसी सोच रही है, लिहाजा विश्लेषण कर रहे हैं। प्रयागराज शहर में हिंदुओं के कई घरों के सामने या आसपास गोवंश के टुकड़े बिखरे हुए मिले थे। गाय और बछड़ों के कटे सिर, पांव और अन्य अंग उन घरों के बाहर फेंके गए थे, जो गाय को 'माता' मानते हैं और उसी भाव से पूजते हैं। अचानक यह हत्याकांड कैसे किया गया? क्या यह किसी की साजिश थी? कोई सांप्रदायिक वैमनस्य भडक़ा कर प्रयागराज में तनाव फैलाना चाहता था? ऐसे ही सांप्रदायिक तनाव, अंततः, दंगों में तबदील हो जाते हैं और मानवता के संहार किए जाते हैं। यह नफरत और दैत्य भाव की पराकाष्ठा है। प्रयागराज को 'तीर्थराज शहर' का आस्थामय दर्जा हासिल है। यहां करीब 85 फीसदी हिंदू और 11 फीसदी मुस्लिम आबादी है। कुछ दूरी पर जो मुस्लिम आबादी है, वह उस क्षेत्र में बहुसंख्यक है। अब यह तो जांच पर ही छोडऩा चाहिए कि गोवंश की हत्या कर, किसने टुकड़े-टुकड़े किए और यह बर्बर पाप किया? हमारा विश्वास है कि कोई हिंदू तो इस दर्जे का कसाई नहीं हो सकता। बहरहाल ऐसी घटनाएं आजकल कुछ अधिक होने लगी हैं। बीती 12 फरवरी की घटना है, जब बंगलुरु जैसे महानगर में 3 गायों के थन काट दिए गए। वह तो बेजुबान पशु है। गाय के साथ यह निर्मम व्यवहार क्यों किया गया? कितनी पीड़ा और दर्द से उन गायों को गुजरना पड़ा होगा! इतना पाशविक तो जानवर भी नहीं होता। यह हरकत भी वही लोग कर सकते हैं, जो सनातन और गाय से हद दर्जे की नफरत करते हैं। आश्चर्य तो यह है कि जो चेहरे पशुओं और जानवरों के हित और अधिकार की लड़ाई लड़ते रहे हैं, वे भी ऐसी अमानवीय हरकत पर खामोश रहे, क्योंकि आप गाय के प्रति सरोकार व्यक्त करेंगे, तो आप को 'सांप्रदायिक' करार दिया जाएगा। प्रयागराज में बछड़ों के अंग काट कर पास के नाले में भी फेंक दिए गए थे। यही नहीं, उन्हें छिन्न-भिन्न अवस्था में उस क्षेत्र में कई जगह फेंक दिया गया था। प्रयागराज में यह पाप क्यों किया गया? यह सवाल सामान्य नहीं है।

> देश-विदेश के 66 .30 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा, यमुना, सरस्वती के त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकियां लीं। जातीय, वर्गीय, नस्लीय सरीखे तमाम रंग-भेद संगम में डूब गए। कोई अगड़े-पिछड़े या अमीर-गरीब का टकराव नहीं हुआ और न ही तनाव फैला। डेढ़ माह के इनसानी, सांस्कृतिक, वैश्विक समागम ने विश्व-कीर्तिमान रचे और एक खास किस्म के 'जनमत संग्रह' का इतिहास लिख दिया। विश्व में एक भी आध्यात्मिक, मजहबी समागम ऐसा नहीं है, जो महाकुंभ के एक-चौथाई आयोजन के भी समान हो। यह हमें इसलिए बताना पड़ रहा है, क्योंकि महाकुंभ के सम्पन्न होने के अगले दिन ही प्रयागराज शहर में एक कुत्सित, घिनौनी, बर्बर, क्रूर कोशिश सामने आई, जिसने महाकुंभ के भव्य समन्वय, आदर्श भाईचारे और खूबसूरत सह-अस्तित्व को कुरूप और सांप्रदायिक बनाने का प्रयास किया। धन्यवाद प्रशासन का, जिसने तनाव नहीं फैलने दिया और तुरंत केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। दरअसल हम ऐसी घटनाओं और अपराधों को सुर्खियां बनाने के पक्षधर नहीं रहे हैं, लिहाजा उन्हें नजरअंदाज करते रहे हैं। चूंकि इस क्रूर कृत्य के पीछे महाकुंभ की छवि दागदार करने की राक्षसी सोच रही है, लिहाजा विश्लेषण कर रहे हैं। प्रयागराज शहर में हिंदुओं के कई घरों के सामने या आसपास गोवंश के टुकड़े बिखरे हुए मिले थे।

डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन ने कई बार अंतरराष्ट्रीय नियमों और कूटनीतिक परंपराओं की अनदेखी की

ट्रम्प के रवैए से लोकतंत्र को झटका, मजबूत होंगी विस्तारवादी ताकतें

राजेश जैन

> ट्रम्प ने कहा कि जेलेंस्की बातचीत की हालत में नहीं हैं। जेलेंस्की ने फिर से ट्रम्प के साथ बातचीत करने की इच्छा जाहिर की लेकिन उन्हें मौका नहीं दिया गया। ट्रंप ने इससे पहले कनाडा को अमेरिका का 51वां सूबा बनाने की बात कही थी। ग्रीनलैंड को खरीदने और गाजा को फलस्तीनियों से खाली करवाने की बात भी वे कह चुके हैं। यूरोप को वे यह कहकर रोने पर मजबूर कर रहे हैं कि उन्हें बे-लगाम पुतिन का सामना अपने ही बूते करना पड़ेगा।

अमेरिका चाहता है कि यूक्रेन या तो अपनी आधी खनिज संपदा उसे देने का सौदा करे या अपनी जमीन का करीब पांचवां भाग छोड़ दे, वहीं 'नाटो' का सदस्य बनने या किसी दूसरी तरह की सुरक्षा गारंटी हासिल करने की बात तो भूल ही जाए। फरवरी के अंतिम दिन अमेरिका दौरे के दौरान इससे इंकार पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को व्हाइट हाउस से निकाल दिया गया। ट्रम्प ने कहा कि जेलेंस्की बातचीत की हालत में नहीं हैं। जेलेंस्की ने फिर से ट्रम्प के साथ बातचीत करने की इच्छा जाहिर की लेकिन उन्हें मौका नहीं दिया गया। ट्रंप ने इससे पहले कनाडा को अमेरिका का 51वां सूबा बनाने की बात कही थी। ग्रीनलैंड को खरीदने और गाजा को फलस्तीनियों से खाली करवाने की बात भी वे कह चुके हैं। यूरोप को वे यह कहकर रोने पर मजबूर कर रहे हैं कि उन्हें बे-लगाम पुतिन का सामना अपने ही बूते करना पड़ेगा। अब सवाल यह नहीं है कि ट्रम्प इन धमकियों पर अमल करेंगे या नहीं। मुद्दे की बात यह है कि कोई भी संप्रभुता-संपन्न देश ऐसी धमकियों को महज लफ्फाजी मानकर खारिज नहीं कर सकता। यहां भरोसा तोड़ा गया है। अगर ट्रम्प 'सुरक्षा शुल्क', खनिज या जमीन की मांग कर सकते हैं तो आगे यह भी मांग की जा सकती है कि हमारे गुलाम बन जाओ या चीन या रूस के रहम पर रहो। हो सकता है ट्रम्प ग्रीनलैंड ले जाएं, शी जिनपिंग ताइवान ले उड़ें और पुतिन बाल्टिक्स का कुछ हिस्सा दबोच लें। इससे पहले भी डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन ने कई बार अंतरराष्ट्रीय नियमों और कूटनीतिक परंपराओं की अनदेखी की है। चाहे वह जलवायु समझौते से बाहर होना हो, विश्व स्वास्थ्य संगठन की फंडिंग रोकना हो, या फिर ईरान के साथ परमाणु समझौते को तोड़ना—इन सभी फैसलों में शक्ति प्रदर्शन और आत्मकेंद्रित नीतियों की झलक साफ दिखाई दी। ट्रम्प का रवैया बताता है कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में नैतिकता और मूल्यों की जगह सैन्य और आर्थिक शक्ति को प्राथमिकता दी जा रही है। यह स्थिति उस कहावत को चरितार्थ करती है—"जिसके पास लाठी, उसकी भैंस।" अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम पर नजर रखने वाले जानते हैं कि जब अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन थे, तब यूक्रेन को अमेरिका और यूरोपीय देशों की ओर से दी जा रही मदद लोकतंत्र को बचाने की जंग थी। उन्हें अहसास था कि अगर पुतिन की मनमानी को नहीं रोका तो

वह विस्तारवादी नीतियों पर आगे बढ़ते रहेंगे। आपको बता दें कि पुतिन के बारे में माना जाता रहा है कि वे सोवियत संघ के दौर के साम्राज्यवाद को फिर से स्थापित करना चाहते हैं। पोलैंड, स्लोवाकिया, लातविया, एस्टोनिया और मोल्दोवा पुतिन के निशाने पर हैं। उन्होंने 2014 में यूक्रेन से क्रीमिया छीना था। 2022 के बाद युद्ध में भी पुतिन यूक्रेन के कई क्षेत्रों पर कब्जा करने में कामयाब रहे हैं। यूक्रेन के सहयोगी यूरोपीय देश चाहते हैं कि युद्ध पुतिन की शर्तों पर खत्म नहीं करना चाहिए। युद्ध खत्म करवाने की एवज में रूसी राष्ट्रपति से भी रियायतें हासिल करनी चाहिए। ट्रम्प से मिलने के बाद जेलेंस्की ने भी कहा कि यूक्रेन तब तक रूस के साथ पीस डील में शामिल नहीं होगा जब तक कि उसे सुरक्षा की पूरी गारंटी नहीं मिल जाती। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल में जिस प्रकार 'अमेरिका फर्स्ट' नीति के तहत मनमानी और शक्ति प्रदर्शन को प्राथमिकता दी गई, उसने वैश्विक संतुलन को गहराई से प्रभावित किया है। उनकी विदेश नीति, व्यापार समझौतों से लेकर सैन्य हस्तक्षेप तक, एक ही संदेश देती है— "जिसके पास शक्ति है, वही नियम तय करेगा।" यह दृष्टिकोण न केवल अमेरिका की वैश्विक छवि को बदल रहा है बल्कि अन्य महाशक्तियों को भी इसी राह पर चलने के लिए प्रेरित कर रहा है जिससे दुनिया में अराजकता की आशंका बढ़ रही है। हो सकता है चीन ताइवान को अपने में मिलाने के लिए जंग छेड़ दे। हाल ही में शी चिनफिंग ने कहा भी है कि ताइवान मसले को वह आने वाली पीढ़ियों की खातिर नहीं छोड़ना चाहते यानी वह अपने कार्यकाल में उसका विलय चीन में करना चाहते हैं। आपको बता दें कि 1994 में यूक्रेन ने रूस, यूरोप और अमेरिका से सुरक्षा की गारंटी मिलने के बाद परमाणु हथियारों के अपने भंडार को त्याग दिया था। आज यूक्रेन के हालत देखकर अब कौन ऐसे शांति प्रस्तावों पर भरोसा करने का साहस करेगा। ट्रम्प साफ़ कह रहे हैं कि किसी की भी सुरक्षा अमेरिका का सिरदर्द नहीं है। ऐसे में क्या होगा जब ट्रम्प जापान से कहेंगे कि मुझे ओकिनावा दे दो या ऑस्ट्रेलिया से कहें कि अमेरिका से सुरक्षा गारंटी की कीमत के रूप में अपने खनिज संसाधन का पांचवां हिस्सा हमें दे दो। ऐसी ही आशंकाओं को देखते हुए यूरोप के अलावा जापान, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और अमेरिका के सभी मित्र देश उससे मिल रही सुरक्षा गारंटियों की समीक्षा कर सकते हैं। ट्रम्प ने परमाणु अप्रसार के विचार की हत्या कर दी है। परमाणु हथियार फिर से युद्ध-प्रतिरोधक बन गए हैं। आज उत्तरी कोरिया के किम जोंग उन यूक्रेन और यूरोप की हालत पर हंस रहे होंगे और सोच रहे होंगे कि अगर उन्होंने अमेरिकी अतिक्रमण के जवाब में दक्षिण कोरिया या जापान पर परमाणु हमला करने की चेतावनी न दी होती तो क्या अमेरिका उन्हें सलामत रहने देता? ईरान इस सब पर नजर रखे हुए है। अगर पाकिस्तान उन्हें बना सकता है तो कोई भी बना सकता है। मध्य-पूर्व में ईरान, सऊदी अरब और क्या पता दक्षिण अफ्रीका, तुर्किये, अजरबैजान और मिस्र भी आज के हालत में इनके बारे में सोच रहे हों। कभी परमाणु अप्रसार की पक्षधर अमेरिकी लॉबी भारत पर दबाव बना रही थी कि वह परमाणु हथियार न बनाए। अमेरिका से कई उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भारत आए, यह समझाने के लिए कि हम व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि पर दस्तखत कर दें। दबाव का यह सिलसिला नेहरू से लेकर तब तक चला, जब तक कि इंदिरा गांधी ने 1974 में परमाणु परीक्षण और इसके बाद अटल बिहारी वाजपेयी ने पोखरण-2 करके इसे खत्म नहीं कर दिया। हमारे देश में भी शांतिवादियों ने वैचारिक या नैतिक आधार परमाणु बम बनाने पर विरोध किया था। तब हमारे नेता अडिग रहे। शायद इसके पीछे उनकी यह दूरदर्शिता थी कि एक दिन ऐसा आएगा जब सुरक्षा की कोई गारंटी काम नहीं आएगी। यदि वैश्विक राजनीति में शक्ति और स्वार्थ को ही नीति बनाने की प्रवृत्ति बढ़ती रही, तो अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में अस्थिरता और अराजकता का खतरा और बढ़ेगा।

दृष्टि कोण

टैरिफ कटौती, टेस्ला व भारतीय ईवी उद्योग

लंबे समय से इलैक्ट्रिक वाहन बनाने वाली एक अमरीकी कंपनी टेस्ला, जिसकी इलैक्ट्रिक कारें अमरीका और अन्य देशों में काफी लोकप्रिय हैं, भारत में अपनी कारों को बेचने के लिए प्रयास करती रही है। कंपनी का यह कहना रहा है कि पहले उसे अपनी कारें बेचने हेतु मार्ग प्रशस्त किया जाए, और बाद में कंपनी भारत में उत्पादन केंद्र खोलकर यहीं पर विनिर्माण शुरू करने पर विचार करेगी। गौरतलब है कि लंबे समय से भारत के ऑटोमोबाईल क्षेत्र के संरक्षण हेतु सरकार विदेशों से आने वाले वाहनों पर भारी आयात शुल्क लगाती रही है। अभी तक 40 हजार डालर की कीमत से ज्यादा की कारों पर 110 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया जाता है। 40 हजार डालर से कम की कारों पर आयात शुल्क 60 प्रतिशत है। टेस्ला कंपनी के संस्थापक एलन मस्क, जो डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद अमरीकी प्रशासन में एक अहम भूमिका रखते हैं, का लगातार यह आग्रह रहा है कि टेस्ला कारों के भारत में आयात पर शुल्क घटाया जाए। हाल ही में प्रस्तुत केंद्र सरकार के बजट में 40 हजार डालर से अधिक कीमत वाली कारों पर आयात शुल्क 110 प्रतिशत से घटाकर 70 प्रतिशत कर दिया गया है। आयात शुल्क घटने के बाद ऐसा माना जा रहा है कि भारत में टेस्ला कारों की बिक्री का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इसके साथ ही टेस्ला कंपनी ने भारत में अपने शोरूम खोलने की कवायद शुरू कर दी है। गौरतलब है कि लंबे समय तक भारत की ऑटोमोबाईल कंपनियां टेस्ला समेत सभी कारों के आयात पर शुल्क घटाने का विरोध करती रही हैं। उनका विरोध बिना कारण नहीं रहा। जब लगभग तीन साल पहले भारत में टेस्ला कंपनी ने आयात शुल्क घटाने हेतु लॉबिंग शुरू की थी, तब तक देश में इलैक्ट्रिक कारों का उत्पादन अत्यंत शैशव अवस्था में था। भारतीय कंपनियों का कहना था कि यदि इस स्थिति में टेस्ला कंपनी की विनिर्मित कारों को सीधे आयात करने के लिए आयात शुल्क घटाया जाता है तो उनके द्वारा देश में विकसित इलैक्ट्रिक कारों के विकास में बाधा आएगी। एक वर्ष पहले भी इसी प्रकार का प्रयास टेस्ला कंपनी के द्वारा किया गया था, तो ऐसे में भारत सरकार ने यह शर्त लगाई थी कि टेस्ला कंपनी भारत में अपना उत्पादन केंद्र शुरू करेगी। जहां तक कारों के आयात का प्रश्न है, कंपनी को 15 प्रतिशत के अत्यंत कम आयात शुल्क पर अधिकतम आठ हजार कारों के आयात हेतु अनुमति दी गई थी। अभी जहां आयात शुल्क को 110 प्रतिशत से घटाकर 70 प्रतिशत किया गया है, अधिकतम कारों की सीमा को बढ़ाकर 50 हजार करने का प्रस्ताव है। इसके साथ ही देश में यह बहस शुरू हुई है कि टेस्ला कंपनी को कम आयात शुल्क पर अधिक कारें आयात करने की अनुमति से भारत के इलैक्ट्रिक कारों के विनिर्माण पर क्या असर पड़ सकता है। समझना होगा कि भारतीय ईवी उद्योग तेजी से बढ़ रहा है, जिसका बाजार आकार 20 प्रतिशत वार्षिक से भी अधिक तेजी से, 2032 तक लगभग 118 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। हालांकि, वर्तमान में कुल वाहन बिक्री में ईवी की मात्र 5 प्रतिशत ही हिस्सेदारी है, लेकिन दोपहिया और तिपहिया वाहनों की श्रेणियों में ईवी को तेजी से अपनाने के कारण यह संख्या 2030 तक 40 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है। इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने और विनिर्माण के लिए एक दृढ़ और अनुकूल सरकारी नीतियां रही हैं। इसके अलावा इलेक्ट्रिक दोपहिया और तिपहिया वाहनों की बढ़ती मांग ईवी उद्योग के लिए एक प्रेरक शक्ति रही है। साथ ही, बैटरी की लागत में भी भारी कमी आई है, जिससे इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमतें भी कम हुई हैं। चार पहिया वाहनों के क्षेत्र में टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा प्रमुख खिलाड़ी हैं, जबकि दो पहिया वाहनों के क्षेत्र में ओला एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरी है। उल्लेखनीय है कि टेस्ला कारों पर टैरिफ में कटौती के बाद भी टेस्ला कारों की ऑन-रोड कीमत 45 लाख रुपए से दो करोड़ रुपए के बीच होगी। दूसरी ओर, ज्यादातर भारतीय ईवी कारों की कीमत आठ लाख रुपए से 20 लाख रुपए के बीच ही है। इसलिए, यह मानना कि टेस्ला कारों के आने से भारतीय इलेक्ट्रिक कारों के उत्पादन और बिक्री पर बुरा असर पड़ेगा, सच नहीं है। सरकार का प्रोत्साहन : भारत सरकार विभिन्न पहलों के माध्यम से इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) उद्योग को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रही है। वित्तीय प्रोत्साहनों में हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों के तेजी से अपनाने और विनिर्माण (एफएएमई इंडिया) योजना शामिल है, जो ईवी की खरीद और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करती है।

कुछ अलग

एक महाकुंभी से मुलाकात

मैंने जब उनसे 144 सालों बाद आने वाले महाकुंभ के तथ्य की सत्यता जाननी चाही तो वह मुझे घूरते हुए बोले, 'इसका अर्थ है कि तुम अभी भी ओजस्वी प्रधानमंत्री और सूर्य की तरह दैदीप्यमान आदित्यनाथ योगी महाराज की इस आयोजन के प्रति निष्ठा पर संदेह कर रहे हो। भले किसी धर्म शास्त्र में 144 वर्षों बाद आने वाले महाकुंभ के बारे में कुछ न लिखा हो, पर अगर वे दोनों बोल रहे हैं तो यह सत्य दुनिया का आखिरी सत्य होगा। काहिल और ग़ैर-ज़िम्मेदाराना नौकरशाही ने महाकुंभ की सारी व्यवस्थाओं का कबाड़ा कर दिया। अगर मीडिया इस महाकुंभ को न संभालता तो आज समस्त विश्व में भारत की थू-थू हो रही होती। गंगा-यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम स्थल पर ब्रह्मा की तपस्थली प्रयागराज की सजावट को शब्दों में बांधना आसान नहीं। रात में बिजली की रोशनी में मेला क्षेत्र किसी देवलोक का आभास देता था। सुबह से लेकर शाम तक कई बार झाड़ू लगता रहा, सफाई होती रही। पर यह बात दीगर है कि कचरे और अपशिष्ट वस्तुओं के निपटान के लिए सरकार के पास न पहले कोई योजना थी, न अब है। हो सकता है कि गंगा स्नान के बाद गंगा मैया किसी ब्यरोक्रेट या नेता को स्वप्न में कूड़े के निस्तारण की कोई तरक़ीब बता दें। पर अति-अति विशिष्ट व्यक्तियों का आगमन प्रयागराज को शीतकालीन राजधानी जैसा दरजा अवश्य दिला रहा है। भाषणों में नेतागण भले कह रहे हों कि गंगा में डुबकी लगाने वाले सब समान हैं। पर मैं भी टिकट लेने के बाद स्वयं कई घाटों पर भटकने के बाद डुबकी लगा पाया। कहीं कोई सुनने वाला नहीं। पर ऊपर वाले का कमाल है कि मेला चल रहा है। अफवाहों का बाज़ार गर्म है। कई भद्र पुरुष में ख़ुलेआम सुविधाओं के लिए घूस लेने का दावा करने वाले हैं। पर मेला प्रबंधन से जुड़े अधिकारी कहते हैं, 'आल इज़ वेल।' इसमें कोई संदेह नहीं कि मेले में धार्मिक कृत्य और अन्न क्षेत्र चलाने के लिए ज़मीन या सुविधाएं पाना किसी का संवैधानिक अधिकार नहीं। पर हर युग में सत्ता दरबार की एक ही शर्त होती है कि उस सत्ता प्रतिष्ठान में आपकी पहुंच कैसी है। नहीं तो क्या यह संभव था कि किसी को साठ बीघे भूमि मिल जाती और किसी को पांच सौ फुट भी नसीब नहीं होती। अब ऊंच-नीच तो हर जगह होती है। देवलोक में भी और घरों में भी। लेकिन सरकार का बस यही ख्वाब है कि यूनेस्को से अमूर्त धरोहर के रूप में चिह्नित कुंभ महाकुंभ जैसे आयोजन के माध्यम से सनातन वैभव से पूरा जगत परिचित हो।' देश के नेतृत्व और महाकुंभ के प्रति उनकी अखंड निष्ठा देखकर मुझे कोई आश्चर्य नहीं हुआ। किसी व्यक्ति, संस्थान या सिस्टम का भक्त होने के लिए व्यक्ति का तार्किक नहीं मूर्ख होना ज़रूरी है। पर अंधभक्ति के लिए आदमी का मूर्ख नहीं, अति मूर्ख होना ज़रूरी है। अगर व्यक्ति मूर्ख या अति मूर्ख न हो तो स्वामी रामतीर्थ की तरह कुंभ जाकर भी गंगा में स्नान नहीं करता, बल्कि मनसा देवी की पहाड़ी पर बैठकर चिंतन करता है और अर्ध कुंभ (पौन कुंभ), पूर्ण कुंभ या महाकुंभ जैसे आयोजनों के औचित्य और सार्थकता पर प्रश्न अवश्य करता है। जिस समय मैं उनसे चर्चा कर रहा था, उस वक्त दो वीडियो एक्स पर वायरल थे, दोनों में गंगा में नाले का गंदा सीवेज वाला पानी गिरने के दृश्य हैं। इन दोनों वीडियो में संगम क्षेत्र में गंदगी साफ दिख रही है। पर लोग कहते हैं कि साल 2013 के कुंभ में भी गंगा का पानी दुर्गंधयुक्त था। मेले की व्यवस्था भी सरकार संभालती है और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट भी। ऐसे में कौन किससे सवाल पूछेगा और कौन जवाब देगा। प्रदूषण बोर्ड कुछ भी कहता रहे। राजा से सवाल नहीं पूछे जा सकते।

देश दुनीया से

चिट्टामुक्त देवभूमि का संकल्प लें युवा

वो एक परिंदा जो सब पर बोझ था, एक शाम जब लौटा नहीं तो शाखों को उसी का इंतजार था'। चिट्टे जैसे कातिल नशे को आब-ए-हयात मान कर सेवन करके मौत की आगोश में समाने वाले नवयुवकों के अभिभावकों की बेबस निगाहें कुछ ऐसा ही मंजर बयान कर रही हैं। मेहनतकश पहाड़ के यौवन को न जाने किन नामुराद लबों की बद्दुआ लग गई कि अनुशासित सैन्य पृष्ठभूमि का युवावेग आत्मघाती चिट्टे की खौफनाक लज्जत में मदहोश हो रहा है। मौजूदा वक्त में नशा उजड़े चमन की एक दर्दभरी हिकायत बन चुका है। नशे के जहरीले शजर महकते गुलशन को भी वीरान कर देते हैं। नशे की सुनामी से उजड़े गुलिस्तां को आबाद होने में मुद्दतें गुजर जाती हैं, मगर प्राणघातक चिट्टा हजारों युवाओं की निगाहों का हबीब बन रहा है। नतीजतन अभिभावकों की चश्म-ए-पलक के सुनहरे अरमान खाक हो रहे हैं। अमन व अदब की कहकशां सजने के लिए विख्यात पहाड़ों पर नशे की बज्म सज रही हैं। पर्यटन की आड़ में सूबे की वादियों में नशा पनप रहा है। जुल्मत-ए-शब के वक्त पहाड़ों पर रेव पार्टियों की अंजुमन सजती है। वीरभूमि की दमदार शिनाख्त वाले राज्य की मुकद्दस धरा पर नशाखोरी, गैंगस्टर व माफिया जैसे बेगैरत लफ्ज सुनने को मिलेंगे, पहाड़ की जवानी चिट्टे की तलबगार बन जाएगी या आस्था व पर्यटन की मेजबानी करने वाला सूबा चिट्टे का मरकज बनेगा। शायद भोली-भाली विरासत वाले पहाड़ी राज्य के बुजुर्गों ने भी इस बात का तसव्वुर नहीं किया होगा। सभ्य समाज का कोई भी नागरिक बर्बादी की दास्तान लिखने वाली नशाखोरी को बर्दाश्त नहीं कर सकता, लेकिन मादक पदार्थों की हलावत व जहरनुमां ड्रग्स की ओवरडोज से कई घरों के चश्म ओ चराग बुझ रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा बरामद किए जाने वाले नशीले पदार्थों में सर्वाधिक बरामदगी चिट्टे की है। बाहरी राज्यों से ताल्लुक रखने वाले नशा तस्कर जिनकी नशा सप्लाई के तार विदेशों तथा अंतरराष्ट्रीय सरहद के पार पाकिस्तान से जुड़े हैं, हिमाचल की वादियों में पनाह ले चुके हैं। चिट्टा तस्करी में मुल्लविश कई कुख्यात गैंग का सुरक्षा एजेंसियां पर्दाफाश कर रही हैं। चिट्टे के अवैध कारोबार में महिलाओं व नाबालिगों का इस्तेमाल हो रहा है। चिट्टा तस्करी के इल्जाम में कई महिलाएं सलाखों के पीछे हैं तथा कई सुरक्षा एजेंसियों के राडार पर हैं। आम लोगों से लेकर कई सरकारी मुलाजिम व उच्च स्तर के अधिकारी भी नशे की अवैध तिजारत में हाथ आजमा रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों के अहलकारों के दामन पर भी नशा तस्करी के बदनुमां दाग लग रहे हैं। मजदूर वर्ग से लेकर मध्यम वर्ग व कई चर्चित हस्तियों की मजलिस में नशा जीनत बन रहा है। नशाखोरी की मुनादी बर्बादी का फतवा जारी कर चुकी है। राज्य की कई पंचायतों ने भी नशे के खिलाफ बगावती मोर्चा खोल दिया है। मगर हकीकत यह भी है कि देश का कोई भी चुनाव नशे के बिना सम्पन्न नहीं होता। आब-ए-तल्ख की बेहताशा तिजारत व बेगुनाह लोगों को मौत की नींद सुलाने वाली अवैध शराब का सबसे ज्यादा इस्तेमाल चुनावी दौर में ही होता है। अलबत्ता देर आए दुरुस्त आए। बेशक पंचायतों द्वारा नशाखोरी के खिलाफ इत्तेहाद का पैगाम व बेदारी का अभियान काबिले तारीफ है। नशाखोरी में मुल्लविश लोगों को राज्य की कई पंचायतें सरकारी सुविधाओं से महरूम करने का फरमान भी जारी कर चुकी हैं। मगर किसी मुजरिम का सामाजिक बहिष्कार करना या उसके परिवार को सरकारी सुविधाओं से महरूम करना नशाखोरी जैसे संवेदनशील मसले का स्थायी समाधान नहीं है। जिन कांटों की परवरिश गुलों की हिफाजत के लिए हुई हो यदि उन्हें गुलिस्तां से बाहर निकाल दिया जाएगा तो गुलों की हिफाजत पर गर्दिश के बादल मंडरा जाएंगे। चूंकि गुलशन की आबरू गुलों से ही होती है। लिहाजा वक्त की निजाकत को भांपकर छाया देने वाले शजरों की कद्र का मिजाज पैदा करना होगा। अन्यथा आफताब की तल्ख तपिश सबको सहन करनी पड़ेगी। भावार्थ यह है कि समाज के सभी वर्गों को चिट्टे जैसी महामारी के प्रति अजनबी वाले नुक्ता-ए-नजर में तब्दीली लाकर कातिल नशे की जद में आ रही पहाड़ की जवानी को बचाने की नैतिक जिम्मेवारी निभानी होगी। पहाड़ के गुलिस्तां में नशे के शजर तैयार करने वाले बागबां की

शिनाख्त करके नशाखोरी का पूरा नेटवर्क ध्वस्त करना होगा। युवा वर्ग की जिंदगी के सबसे सुनहरे लम्हें व हुस्न ओ शबाब तथा बेहतरीन वक्त यौवन यदि नशे का गुलाम बन जाए तथा अभिभावक डिप्रेशन में आकर अजियत व दुश्वारियों के दौर से गुजरें, तो सूबे के बेहतर मुस्तकबिल की तवक्को निश्चित रूप से नहीं की जा सकती। आगाज-ए-जवानी में अजीम ख्वाब देखने वाली शाइस्ता निगाहें यदि नशे की ख्वाहिशमंद बन जाएं तो अभिभावकों की बंदगी के चिराग बेअसर हो जाते हैं। मुल्क का यौवन सिंथेटिक ड्रग्स की दलदल में फंस जाए या जवानी स्मैक व चिट्टे के धुएं में सुलग जाए, तो इंतकाल से पहले एक आसामयिक वफात हो जाती है। अजाब भोगने के लिए जहन्नुम की दहलीज पार करने की जरूरत नहीं पड़ती। नशे की कातिलाना ख्वाहिश ही जीवन को जहन्नुम में तब्दील कर देती है। विश्व के इतिहास में यदि किसी निजाम में कोई तब्दीली हुई है तो उस इंकलाब के पीछे युवा ताकत का अहम रोल रहा है। अतः पहाड़ की शांत शबनम से चिट्टे जैसी महामारी को रुखसत करने में किसी अदालत, कानून, हुकूमत, हकीम, हुक्काम, तबीब व दस्तगीर से बड़ा अफजल किरदार युवावर्ग ही अदा कर सकता है। लिहाजा पहाड़ के यौवन को चिट्टे के अजाब से बचाने का हलफ भी युवाओं को ही उठाना पड़ेगा। देवभूमि को चिट्टामुक्त करने के लिए युवाओं को चिट्टा विरोधी तहरीक का आगाज जोरदार ताकीद के साथ करना होगा। देवभूमि व पर्यटन के लिए विख्यात सूबे को ड्रग्स टुरिज्म की दारुल हुकूमत बनने से रोकने के लिए हर प्रदेशवासी को सहयोग करना होगा। तभी प्रदेश नशामुक्त होगा।

आप का नजरीया

सियासी सर्कस चालू है

अंततः भाजपा के वरिष्ठ नेता रमेश धवाला संगठन के सामने और संगठन के बराबर आ गए। अब हरिपुर व ढलियारा में भाजपा के सामने धवाला के मंडलों के तीर खड़े हैं। इस तरह पार्टी की करवटों को नकार कर विद्रोह के हाथी सामने आए हैं। धवाला जैसे नेताओं को हाशिए से बाहर करके दलदल में कमल उगाने के प्रयासों को मुंह की खानी पड़ी है और अब तो सीधा संदेश आर पार की लड़ाई में जुट गया। जाहिर तौर पर कांग्रेस और भाजपा के संगठनात्मक चुनावों के मध्यांतर इतने लंबे हो गए हैं कि लगता है कि पार्टियों के भीतर कई सर्कस ग्रुप सक्रिय हैं। भाजपा पार्टी के बीच धवाला जैसे नेताओं को ठिकाने लगाने के कारण होंगे, लेकिन ऐसी हस्तियों की ज्वाला का अपना एक इतिहास रहा है। राजनीति को 'पल में माशा-पल में तोला' बनाने में माहिर धवाला एकमात्र नेता नहीं हैं, बल्कि भाजपा के साथ-साथ कांग्रेस में भी अनेक मिल जाएंगे। यह प्रयोग कांग्रेस में भी होते रहे हैं और भाजपा भी अछूती नहीं, लेकिन सत्ता की चुनौतियां बदल रही हैं। पक्ष-प्रतिपक्ष की तू-तू, मैं-मैं के बीच राजनीति का चरित्र अगर मापना है तो संगठनों के बीच फासले देखने पड़ेंगे। कांग्रेस की वर्तमान सत्ता इन्हीं फासलों से दो चार होती हुई अपनी जमीन पर इतनी दरारें तो देख ही चुकी है कि राज्यसभा की पूरी एक सीट गंवानी पड़ी। भाजपा भी उपचुनावों की रेत में अपने चिन्ह अगर गंवा बैठी, तो देहरा में धवाला, ज्वालामुखी की ज्वाला की तरह विद्यमान रहा। खैर अब संघर्ष न मोहर और न ही मोहरा, बल्कि सीधे और स्पष्ट हैं। धवाला का मूल्यांकन न पिछली भाजपा की सत्ता में हुआ और न ही ओबीसी प्रधानता की गणना में हुआ। नतीजतन आज यह नेता विध्वंस के चौराहे पर सत्याग्रह कर रहा है। इससे राजनीति की संपूर्णता में संघर्ष की राह जरूर स्पष्ट हो रही है। यह बदलाव नहीं संघर्ष है, जिसकी जरूरत हिमाचल के संदर्भ में जरूरी है। यहां पार्टियां धड़ों में, हस्तियों में तथा आलाकमान की कठपुतलियों में विभक्त हैं। इसी संदर्भ में सत्ता का चरित्र संगठन को घूरने लगा है और नेताओं की गलबहियां पार्टियों के भीतर अस्तित्व की पहचान बनने लगी हैं। यहां चुनाव का मर्ज केवल अपने संगठन का फर्ज नहीं, बल्कि विपक्ष से किया गया अर्ज भी है। नेताओं की मंडी में जातिसूचक इतिहास है, लेकिन सामाजिक व क्षेत्रीय संतुलन अब बिखर रहा है। प्रदेश में ओबीसी, जनजातीय और अनुसूचित जाति वर्ग की ओर सियासत के हाशिए सरक रहे हैं। इसी सियासत ने भाजपा के बीच धवाला, सरवीण और किशन कपूर को सरकाया। दूसरी ओर कांग्रेस बीच भी कई नेता इतने सरका दिए गए कि वे अब भाजपा की ओर से विधायक बन चुके हैं। शांता कुमार के बाद प्रदेश में ब्राह्मण या किसी अन्य जाति या वर्ग से मुख्यमंत्री पद के योग्य न समझना, एक खास तरह की राजनीति को प्रेरित करता है। हम होशियार सिंह और रमेश धवाला के बीच भी जातीय विषमता को पढ़ सकते हैं। आज अगर कांग्रेस से पूछा जाए कि उसके बीच ओबीसी, गद्दी व दलित नेता कौन, तो स्पष्टता के प्रमाण नहीं मिलेंगे। रिक्तता तो भाजपा में भी इसी विषय को लेकर आई है। ऐसे में क्या भाजपा के नए अध्यक्ष के समांतर नेता प्रतिपक्ष के बीच जातीय समीकरण बदलेंगे। दूसरी ओर कांग्रेस के नए अध्यक्ष के स्वरूप में जातीय ठोकरें और क्षेत्रवाद के विचार रुकेंगे।

किसान आंदोलनों ने पंजाब की छवि बिगाड़ी राज्य का उद्योग तबाह हो रहा : भगवंत मान

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने चंडीगढ़ कूच पर अड़े किसानों को चेतावनी देते हुए कहा कि प्रदेश में समानांतर सरकार चलाने का अधिकार किसी को नहीं दिया जाएगा। किसान आंदोलन के कारण पंजाब की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर छवि खराब हुई है। किसान संगठनों में आंदोलनों को लेकर मुकाबले चल रहे हैं। इससे पंजाब का उद्योग तबाह हो रहा है। भगवंत मान मंगलवार को मोहाली जिले में खरड़ तहसील परिसर का दौरा करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। यह पहला मौका है जब मुख्यमंत्री भगवंत मान ने किसान आंदोलन के विरुद्ध बोला है। उन्होंने कहा कि सोमवार की रात किसानों के साथ बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा चल रही थी लेकिन किसान चंडीगढ़ कूच करने के एलान को वापस लेने के लिए राजी नहीं हो रहे थे। जनता के हितों को देखते हुए उन्होंने बैठक को बीच में ही छोड़ दिया। उन्होंने कहा कि किसान आंदोलन के कारण पंजाब का उद्योग तबाह हो रहा है। पंजाब की ट्रांसपोर्ट खत्म होती जा रही है। कभी रेल रोकी जा रही है तो कभी सड़कें रोकी जा रही है। कहीं एनएचएआई के प्रोजैक्ट रोके जा रहे हैं। अब हालात यह है कि किसान नेता राजनीति चमकाने के लिए इमीग्रेशन दफ्तरों के आगे धरने दे रहे हैं। इन धरनों के नाम पर गांवों से फंड इक्कठा किया जा रहा है। पारिवारिक झगड़ों में भी किसान पंचायतें करने लगे हैं। इस तरह की समानांतर सरकार चलाने की इजाजत नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन साइटों से पंजाब में अगर कोई सामान मंगवाया जाता है तो वह महंगा मिलता है। इससे आम जनता परेशान हो रही है। किसान संगठनों पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज आंदोलन के नाम पर मुकाबले चल रहे हैं। एक संगठन का आंदोलन समाप्त होने लगता है तो दूसरा तैयारी कर लेता है। मान ने कहा कि पंजाब सरकार दशमेश नहर का निर्माण करने जा रही है। नई कृषि नीति लेकर आ रहे हैं। किसान आंदोलन करने की बजाय नई नीति के लिए अपने सुझाव दें।

राजस्थान में पहरेदार ही बन रहे हिस्सेदार : डोटासरा

जयपुर (हिंस)। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने राजस्थान में हो रहे अवैध खनन और बजरी की लूट के लिए भजनलाल सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि माफियाओं को भाजपा सरकार से संरक्षण प्राप्त है, जो अब पूरी तरह उजागर हो चुका है। डोटासरा ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट लिखकर कहा कि राजस्थान में अवैध खनन और बजरी की लूट के लिए कोर्ट, कानून और नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। प्रदेश के *पहरेदार ही हिस्सेदार* बनकर माफियाओं से राज्य को छलनी करा रहे हैं और राजस्थान की संपदा *लूट* रहे हैं। उन्होंने लिखा कि हाईकोर्ट कहता है कि पुलिस और खान विभाग की शह पर अवैध खनन हो रहा है। कोर्ट ने जांच सीबीआई को सौंपी तो अब सीबीआई कहती है कि राजस्थान पुलिस सहयोग नहीं कर रही। सरकार के कैबिनेट मंत्री कहते हैं कि राज्य में हर दिन सात करोड़ की बजरी चोरी हो रही है। माफिया *पुष्पा* बनकर अवैध खनन की रीलें अपलोड कर कानून व्यवस्था को चुनौती दे रहे हैं।

आकर्षण का केंद्र बन रही आईफा ट्रॉफी मनेगा शोले फिल्म के 50 साल का जश्न

जयपुर (हिंस)। जयपुर में आठ और नौ मार्च को आईफा अवार्ड शो आयोजित होने जा रहा है। बॉलीवुड-हॉलीवुड समेत वीआईपी हस्तियां आईफा अवार्ड समारोह में शामिल होंगी। आईफा अवार्ड समारोह से पहले राजधानी जयपुर में आईफा ट्रॉफी की रेप्लिका पहुंच चुकी है। विश्व प्रसिद्ध आमेर महल के जलेबी चौक में आईफा अवार्ड ट्रॉफी रखी गई है। इसके अलावा अल्बर्ट हॉल समेत अन्य पर्यटक स्थलों पर भी आईफा अवार्ड ट्रॉफी रखी गई है। आईफा ट्रॉफी देसी-विदेशी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन रही है। पर्यटक आईफा ट्रॉफी के साथ सेल्फियां और फोटोग्राफ्स लेकर सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं। आमेर महल अधीक्षक डॉ. राकेश छोलक के मुताबिक आईफा अवार्ड की ट्रॉफी आमेर महल के जलेबी चौक में रखी गई है, जहां पर्यटक ट्रॉफी के साथ सेल्फी ले रहे हैं। आठ और नौ मार्च को होने वाले आईफा अवार्ड समारोह में बॉलीवुड और हॉलीवुड समेत कई वीआईपी हस्तियां पहुंचेंगी। जयपुर के विभिन्न पर्यटन स्थल आमेर फोर्ट, हवा महल, जंतर मंतर, अल्बर्ट हॉल समेत अन्य पर्यटक स्थलों पर आईफा अवार्ड ट्रॉफी को रखकर प्रचार प्रसार किया जा रहा है। जयपुर में शोले फिल्म की 50 साल का जश्न भी मनाया जाएगा। आईफा अवार्ड के तहत राज मंदिर सिनेमा में स्पेशल स्क्रीनिंग होगी। राजमंदिर में नौ मार्च को शोले फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग होगी, जिसमें कई सेलेब्रिटीज भी शामिल होंगे। राज मंदिर सिनेमा के साथ ही शोले फिल्म को 50 साल पूरे होने जा रहे हैं। शोले फिल्म 15 अगस्त 1975 को रिलीज हुई थी। राज मंदिर सिनेमा काफी ऐतिहासिक माना जाता है. राज मंदिर सिनेमा का उद्घाटन एक जून 1976 को हुआ था। शोले और राज मंदिर के 50 साल पूरे होने का जश्न जयपुर के लिए ऐतिहासिक पल होगा। आठ मार्च को जयपुर के सीतापुरा स्थित जेईसीसी में आईफा डिजिटल अवार्ड कार्यक्रम होगा। नौ मार्च को आईफा अवार्ड का ग्रांड फिनाले होगा, जिसमें भारतीय सिनेमा के सर्वश्रेष्ठ कार्यों और कलाकारों को आईफा अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा।

ट्रेनों में चोरी करने वाली सास-बहू गिरफ्तार

जयपुर (हिंस)। जीआरपी थाना पुलिस ने चलती ट्रेन में चोरी करने के मामले में सास-बहू को गिरफ्तार किया है। वह भीड़भाड़ का फायदा उठाकर यात्रियों के बैग खोलकर गहने-नगदी चुराती थी। पुलिस पकड़ने के लिए जब पीछे लगी तो बचने के लिए हरियाणा भाग गई। जीआरपी पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी सास-बहू से चुराए गए 5 लाख रुपए कीमत के गहने भी बरामद कर लिए हैं। पुलिस निरीक्षक अरुण चौधरी ने बताया कि ट्रेनों में चोरी के मामले में आरोपी चंदरानी (54) पत्नी राजेश और काजल (25) पत्नी रोहन निवासी टोहना फतेहाबाद हरियाणा, हाल मंगलम सिटी कालवाड़ रोड को गिरफ्तार किया है। दोनों रिश्ते में सास-बहू हैं।

बार-बार चुनावों से देश की प्रगति बाधित हो रही है, देश की जरूरत एक साथ चुनाव : शिवराज सिंह

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान का कहना है कि देश में कभी लोकसभा तो कभी विधानसभा चुनाव होते हैं। फिर स्थानीय निकाय तो कहीं किसी और उप चुनाव। चुनाव के दौरान काम रोक दिए जाते हैं और हमारे नेतृत्व करने वाले भी चुनाव में व्यस्त हो जाते है। ऐसे में देश का पूर्ण विकास या मुकाम नहीं मिल पाता है। इसलिए संविधान में संशोधन कर *एक देश एक चुनाव* की प्रक्रिया को अपनाया जाना जरूरी है। वे मंगलवार को जोधपुर में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। शिवराज चौहान क्षेत्रीय कृषि कार्यक्रम में भाग लेने जोधपुर पहुंचे हैं। केंद्रीय मंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि देश में लगातार पांच साल 12 महीने 365 दिन तक हर राजनीतिक दल चुनाव की तैयारी करता रहता है और छह माह में विधानसभा के कोई ना कोई चुनाव हो जाते है। अलग अलग राज्यों के विधानसभा चुनाव होते हैं, जिससे विकास का काम ठप हो जाता है। आचार संहिता लगने के कारण भी विकास ठप होता है। सारी मशीनरी चुनाव में लग जाती है, इसलिए भी विकास के कार्य नहीं हो पाते है। अनावश्यक धन खर्च होता है। चुनावों के कारण सरकारें लांग टर्म की तैयारी नहीं कर पाती है। देश का नुकसान होता है। इसलिए अब समय आ गया है कि विचार कर फैसला हो कि संविधान में संशोधन कर लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ होने चाहिए। देश की जरूरत है एक साथ चुनाव। बीजों की घटिया क्वालिटी और कानून को लेकर चौहान ने कहा कि उसके लिए समीक्षा की जा रही है। घटिया बीजों को लेकर सजा का प्रावधान कम है, उस पर समीक्षा की जरूरत है। अच्छे बीज उत्पादन करने वाले को पुरस्कृत किया जाएगा तो वहीं किसान के साथ धोखा हुआ तो कड़े दंड का प्रावधान अपनाया जाएगा।

अधिकारों के प्रति सजग हों महिलाएं : सांसद रेखा शर्मा

हिसार (हिंस)। राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा ने कहा है कि महिला सशक्तिकरण केवल अधिकारों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह महिलाओं द्वारा अपने जीवन से संबंधित स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता पर आधारित है। समाज पर मुसीबत आने पर नारी अपने रूप को बदलती है और हर परिस्थिति में डटकर खड़ी होती है। राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा मंगलवार को एचएयू के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के सभागार में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। कार्यक्रम का आयोजन एचएयू के आईसी सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, जम्भ शक्ति ट्रस्ट एवं नारी नारायणी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। इस दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली 101 महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कंबोज ने की, जबकि संयोजन की भूमिका नारी नारायणी फाउंडेशन की अध्यक्षा पूनम नागपाल और जम्भ शक्ति ट्रस्ट के चेयरमैन विकास गोदारा ने निभाई। राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा ने कहा कि आज जरूरत इस बात की है कि महिलाएं अपनी आंतरिक शक्ति को पहचानें और अपने अधिकारों के प्रति सजग हों। उन्होंने भारत के सांस्कृतिक पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यहां की संस्कृति ने हमेशा महिलाओं का सम्मान करना सिखाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच और सकारात्मक नीतियों के कारण महिलाएं देश के ऊंचे पदों पर आसीन हो रही हैं। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कंबोज ने कहा कि यह सम्मान समारोह उन सभी महिलाओं को समर्पित है जो अपने-अपने क्षेत्रों में परिश्रम और लगन के साथ काम कर रही हैं और समाज के लिए प्रेरणा बन रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। नारी नारायणी फाउंडेशन की अध्यक्षा पूनम नागपाल और जम्भ शक्ति ट्रस्ट के चेयरमैन विकास गोदारा ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण, शिक्षा और स्वावलंबन के लिए वह निरंतर कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, कला, खेल, उद्यमिता और सामाजिक कार्य में उत्कृष्ट योगदान देने वाली 101 महिलाओं को नारी तूं नारायणी सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रतिमा गुप्ता, वंदना बिश्नोई, सहित अनेक अन्य सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद शामिल रहे।

युवक की पीट-पीट कर हत्या के मामले में महिला सहित चार गिरफ्तार

जयपुर (हिंस)। भांकरोटा थाना पुलिस ने दिनदहाड़े युवक की पीट-पीट कर हत्या करने के मामले में एक महिला सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। हत्या में मृतक की बहन, जीजा और उसके रिश्तेदार शामिल है। पुलिस के अनुसार हत्या के मामले में सारणों की ढाणी बेगस बगरू निवासी रामलाल (38), सुवालाल (36), कजो ? (23) और मोनिका (33) पत्नी रामलाल को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि मुकुंदपुरा स्थित बासड़ी रोड पर सोमवार को बिंदायका निवासी गोवर्धन चौधरी (30) की लाश पड़ी मिली। गोवर्धन चौधरी के पीछे कार सवार कुछ लोग पड़े थे। उन्होंने पहले उसकी बाइक को टक्कर मारी। इसके बाद कार से कुछ लोग बाहर निकले और गोवर्धन के पीछे भागे। बदमाशों की गाड़ी भी इस दौरान क्षतिग्रस्त हो गई। कार से दो महिलाएं और तीन लोग निकले। उन्होंने गोवर्धन का पीछा किया। गेहूं के खेत में उन्होंने गोवर्धन पर ताबड़तोड़ हमला कर उसकी हत्या कर दी और भाग गए। घटना के बाद पुलिस को जानकारी दी गई। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीम को मौके पर बुलाया। पुलिस ने बदमाशों की पहचान के लिए बड़ी संख्या में सीसीटीवी फुटेज खंगाले। पुलिस के अनुसार गोवर्धन चौधरी की अपनी बहन और जीजा से रुपयों को लेकर विवाद हो गया।

संघ प्रमुख डॉ. भागवत कल से बिहार के पांच दिवसीय प्रवास पर

पटना (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन राव भागवत बिहार के पांच दिवसीय प्रवास पर कल पटना पहुंचेंगे। वो यहां से पूर्व विभाग संघचालक एवं विश्व संवाद केंद्र के पूर्व अध्यक्ष दिवंगत प्रकाश नारायण सिंह उपाख्य छोटे बाबू के घर जाएंगे। उनके परिजनों से मिलकर रात्रि विश्राम मुजफ्फरपुर स्थित संघ कार्यालय में करेंगे। संघ प्रमुख छह मार्च को सुबह वीरपुर, सुपौल के लिए प्रस्थान करेंगे। वहां विद्या भारती द्वारा संचालित सरस्वती विद्या मंदिर के भवन का उद्घाटन करेंगे। सात, आठ और नौ मार्च को मुजफ्फरपुर में कार्यकर्ताओं की बैठक में रहेंगे। नौ मार्च को नागपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

मेरे ही सहयोग से 1990 में लालू यादव मुख्यमंत्री बनें : मुख्यमंत्री

पटना (हिंस)। बिहार विधानसभा में मंगलवार को लालू यादव से जुड़े 35 साल पुराने प्रसंग का खुलासा नीतीश कुमार ने किया। उन्होंने राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि लालू यादव को उनकी जाति के लोग मुख्यमंत्री 1990 में नहीं बनाना चाहते थे। उन्होंने कहा कि लालू यादव की जाति के लोगों ने भी मुझे (नीतीश) को भी इससे मना किया था। बावजूद इसके मैंने लालू यादव का समर्थन किया और उन्हें बिहार का मुख्यमंत्री बनवाया। नीतीश ने कहा कि हाल के समय में उन्होंने दो बार तेजस्वी के साथ भी सरकार बनाई लेकिन दोनों बार इन लोगों ने गड़बड़ किया। इसी कारण वे इनसे अलग हुए और राजग के साथ मिलकर फिर से सरकार बनाई। इसके पहले विधानसभा में तेजस्वी को देखकर नीतीश ने उन्हें बच्चा बोलकर कहा कि आप लोग कुछ नहीं जानते हैं। शाम के बाद कोई घर से नहीं निकलता था। उनके मुख्यमंत्री बनने के पहले न तो बिहर में सड़कें थीं और ना ही विकास का कोई अन्य काम हुआ था। यहां तक कि हिंदू-मुस्लिम झगड़ा भी खूब होता था। इसलिए सीएम बनने के बाद सबसे पहले कब्रिस्तान की घेराबंदी का काम कराया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के जवाब से असंतुष्ट विपक्षी सदस्यों ने वॉकआउट किया। सीएम नीतीश ने कहा कि वर्ष 2005 से पहले बिहार में विभिन्न क्षेत्रों में विकास नहीं हुआ और उसके बाद शिक्षा, स्वास्थ्य आदि के क्षेत्रों में बड़ा बदलाव हुआ। हालांकि इस दौरान विपक्ष की नारेबाजी जारी रही और बाद में विपक्षी सदस्यों ने सदन से वॉकआउट किया। इस पर सीएम नीतीश ने तंज कसते हुए कहा कि इ तो भाग गए, इसलिए कि इ लोग को कुछ समझ आ रहा है, चुनौआ में कुछ नहीं मिलेगा । नीतीश कुमार ने कहा, पहले समाज में बहुत विवाद होता था, हिंदू-मुस्लिम के बीच बहुत लड़ाई होती थी, पढ़ाई, बिजली की स्थिति बहुत खराब थी। पहले इलाज का इंतजाम नहीं था। जब हम लोग आए हमने इन सब पर काम किया। अब राज्य में डर एवं भय का वातावरण नहीं है। नीतीश ने कहा कि 2016 में महिलाओं को सरकारी नौकरी में हमने आरक्षण देने का फैसला लिया। चुनाव से पहले 12 लाख युवाओं को नौकरी दी। सभी तबके के लोगों का विकास किया। रोजगार वाले युवाओं की संख्या तो 24 लाख हो गई है। सभी धर्म और जाति के लोगों के लिए काम किया। मदरसों को सरकारी मान्यता दी। मुस्लिम महिलाओं के लिए भी काम किया। पति के छोड़ देने पर महिलाओं को आर्थिक मदद देने का प्रावधान किया।

पंजाब में एसकेएम के सैकड़ों नेता हिरासत में लिए गए

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस ने चंडीगढ़ कूच से पहले संयुक्त किसान मोर्चा(एसकेएम)के नेताओं को हिरासत में लेकर नजरबंद करना शुरू कर दिया है। अब सैकड़ों नेताओं को उनके घरों या आसपास के रेस्ट हाउस में रोक लिया गया है। पुलिस की यह कार्रवाई मंगलवार तड़के करीब तीन बजे शुरू हुई। किसानों की मांगों को लेकर सोमवार की रात पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और संयुक्त किसान मोर्चा नेताओं के बीच चल रही बैठक बीच में ही समाप्त हो गई थी। किसान नेताओं ने मुख्यमंत्री के साथ बहस की तो मुख्यमंत्री बैठक बीच में ही छोड़ गए। किसानों ने पांच मार्च को चंडीगढ़ कूच का एलान किया है। इससे पहले ही मंगलवार को चंडीगढ़ की सीमाओं को सील कर दिया गया है। पंजाब पुलिस ने किसान नेताओं को उनके घरों में नजरबंद करना शुरू कर दिया है। मंगलवार सुबह किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल समेत कई किसान नेताओं को हिरासत में लिया गया। किसान मजदूर मोर्चा के नेता दिलबाग सिंह गिल को घर में नजरबंद किया गया है। पुलिस संगरूर में भारतीय किसान यूनियन (एकता उगराहां) के अध्यक्ष जोगिंदर सिंह उगराहां के घर भी पहुंची, लेकिन वह नहीं मिले। पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने कहा कि किसान जब चाहे मीटिंग कर सकते हैं। किसान हमारे सत्कार योग हैं। कल मीटिंग काफी अच्छे माहौल में चल रही थी। किसान 18 मांगे लेकर आए थे, 8 मांगों पर चर्चा हुई।

बजट सत्र : आज यूपी देश में नंबर दो की अर्थव्यवस्था बन गया है : योगी

यूपी विधान सभा में बोले सीएम योगी, महाकुंभ ने विरासत और विकास की नई गाथा लिखी

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बजट पर चर्चा के दौरान अपना वक्तव्य रखते हुए मंगलवार को विधान सभा में कहा कि किसान, युवा, महिला और गरीब को समर्पित करते हुए वंचित को वरीयता के आधार पर यह बजट प्रस्तुत किया गया है। आज हम देश में नंबर दो की अर्थव्यवस्था बन गए हैं। पिछले साल की तुलना में करीब 10 फीसदी अधिक है। प्रदेश को मजबूती प्रदान करने वाला है। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर जमकर कटाक्ष भी किए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि अब तक 93 सदस्यों ने जिसमें 59 सत्ता और नेता प्रतिपक्ष समेत विपक्ष के 34 सदस्यों ने बजट की चर्चा में हिस्सा लिया। उन सबको मैं धन्यवाद देता हूं। नेता प्रतिपक्ष ने दार्शनिक अंदाज में लोहिया के अनुयायी के रूप में वक्तव्य रखा। यह बात अलग है कि वह स्वयं डॉ. लोहिया के आदर्शों को अपना पाते हैं या नहीं। लोहिया ने कहा था कि सम्पत्ति और संतति से दूर रहें। उन्होंने कहा था कि भगवान राम, भगवान शंकर और भगवान कृष्ण देश के आदर्श हैं। आपकी पार्टी तो इन्हें मानती ही नहीं है। आपकी पार्टी के आचरण को देख कर समझा जा सकता है कि आप लोहिया के कितना अनुयायी हैं। योगी ने कहा कि आपने (नेता प्रतिपक्ष) कहा कि आपकी सोच सांप्रदायिक है। आप बताएं हमारी सोच कहां सांप्रदायिक है। हमारा नारा है सबका साथ सबका विकास। महाकुंभ संपन्न हुआ है। इस आयोजन में सब लोग साथ स्नान किए। सबके लिए समान व्यवस्था की गयी। संभल में 54 साल बाद शिवलिंग का अभिषेक हुआ। यह हमारी विरासत है। उसे खोजकर सामने लाना हमारा कर्तव्य है। हम तो वही चाहते हैं तो हमारा है। सपा के लिए यह कहात सही है पर उपदेश कुशल बहुतेरे। आप कानून व्यवस्था की चर्चा कर रहे थे। 66 करोड़ लोग कुंभ में आए। आधी आबादी तो महिलाओं की रही होगी। एक भी छेड़खानी, लूट, हत्या की घटना नहीं हुई जिससे भारत और सनातन धर्मावलंबियों को शर्मिंदा होना पड़े। बहुत से लोग आना चाहते थे। जो नहीं आ पाए उनके मन में कसक थी। जिसने डुबकी लगाई वह अभिभूत होकर गया। यह भारत की विरासत का एक ऐसा अनुपम उदाहरण है जिसे हम शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकते। मुख्यमंत्री ने कहा कि विदेशी मीडिया बीबीसी, एक्सप्रेस ट्रीव्यून, द न्यूयार्क टाइम्स, रायटर्स, द गार्डियन, सीएनएन समेत पत्रकारिता जगत के अन्य बैनरों ने कुंभ के बारे अच्छी टिप्पणी की है। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों और देश भर के कुछ राजनेताओं की कुंभ के बारे में सकारात्मक टिप्पणियों का उल्लेख किया। कुंभ के माध्यम से उत्तर प्रदेश अपनी सामर्थ्य देश के सामने और देश की सामर्थ्य को दुनिया के सामने रखने में सफल रहा। कुंभ पर साढ़े सात हजार करोड़ खर्च किया गया है। इससे मेला पर ही नहीं बल्कि पौराणिक नगर प्रयागराज का विकास भी हुआ है। मुख्यमंत्री ने सरकार द्वारा प्रदेश के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर विकसित किए जा रहे कॉरीडोर का उल्लेख किया। नेता सदन ने अपने पिछले सभी बजटों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि 2024 का बजट लोक मंगल को समर्पित रहा है। इस बजट को किसान, युवा, महिला और गरीब को समर्पित करते हुए वंचित को वरीयता के आधार यह बजट प्रस्तुत किया गया है।

सरकार राम राज्य की कल्पना को कर रही साकार : राज्यमंत्री रजनी तिवारी

अयोध्या (हिंस)। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय का स्वर्ण जयंती समारोह मंगलवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि के रुप में इस अवसर पर उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने कहा कि विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत संचालित समस्त पाठ्यक्रमों के शैक्षणिक परिणाम संतोषजनक और विद्यार्थियों के समग्र विकास में सहायक सिद्ध हुए हैं। इसके तहत भारतीय ज्ञान परंपरा, मूल्यों और सांस्कृतिक विरासत से संबंधित विषय-वस्तुओं को पाठ्यक्रमों में समाहित किया गया है, जिससे विद्यार्थियों को न केवल आधुनिक ज्ञान प्राप्त हो, बल्कि वे अपनी जड़ों से भी जुड़े रहें। उन्होंने कहा कि आज हम सभी प्रभु श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या में हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने अनेक विकास के कार्य किए हैं। इसके साथ-साथ हम लोगों ने सदियों से सपना देखा था, कि भगवान श्री राम अपनी जन्मस्थली पर विराजमान हो आज वह समय आ गया। जब प्रभु श्री राम भव्य दिव्य मंदिर में विराजमान है। इसके साथ ही साथ हम देखते हैं काशी है। विंध्यवासिनी माता का गलियारा है। और अभी हम सब लोगों ने महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाई है। यह मुझे इसलिए याद आया कि आज मैं अयोध्या में प्रभु श्री राम की भूमि पर मौजूद हूं इसलिए यह याद आना स्वाभाविक है। यहां पर खड़े रहने पर ऐसा हो ही नहीं सकता कि हम प्रभु श्री राम के भाव और दिव्य मंदिर याद न आए। आज उत्तर प्रदेश की सरकार राम राज्य की कल्पना को साकार करने का काम कर रही है। उत्तर प्रदेश हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। विकास शिक्षा व्यापार के क्षेत्र में अलग पहचान बना चुका है।

तीन महीने के निचले स्तर पर पहुंचा कच्चा तेल

ओपेक और इसके सहयोगी देश द्वारा क्रूड ऑयल (कच्चा तेल) के उत्पादन में बढ़ोतरी करने का संकेत दिए जाने के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड की कीमत पर दबाव बना हुआ है।

नई दिल्ली

इसकी वजह से आज क्रूड ऑयल 3 महीने के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। ब्रेंट क्रूड फिलहाल 71 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से भी नीचे गिर कर 70.91 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 68 डॉलर के स्तर से नीचे फिसल कर 67.81 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

बताया जा रहा है कि ओपेक और इसके सहयोगी देशों के बीच क्रूड ऑयल का उत्पादन बढ़ाने की बात को लेकर सहमति बन गई है। इन देशों द्वारा अप्रैल महीने से क्रूड ऑयल के उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है।

अभी तक मिली जानकारी के अनुसार रूस और सऊदी अरब क्रूड ऑयल के उत्पादन में प्रतिदिन 1.38 लाख बैरल की बढ़ोतरी कर सकते हैं। इसी तरह ओपेक के दूसरे सदस्य देशों द्वारा भी कच्चे तेल के उत्पादन में बढ़ोतरी किए जाने का अनुमान है।

मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि ओपेक और इसके सहयोगी देशों द्वारा उत्पादन में बढ़ोतरी करने पर कच्चे तेल के दाम में और भी गिरावट आ सकती है।

माना जा रहा है कि सऊदी अरब और रूस समेत दूसरे सभी तेल उत्पादक देशों द्वारा कुल मिलाकर अगर प्रतिदिन 2.25 लाख बैरल क्रूड ऑयल का भी अतिरिक्त उत्पादन किया जाता है, तो इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड की कीमत 55 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक भी जा सकती है।

ऐसा होने पर अपनी जरूरत के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार पर निर्भर रहने वाले भारत जैसे देशों को काफी राहत मिलेगी।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप की रणनीतिक सरकारी रिजर्व की घोषणा के बाद क्रिप्टोकरेंसी मे तेजी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रणनीतिक सरकारी रिजर्व की घोषणा के बाद क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में थोड़ी तेजी आई। ट्रंप ने कहा कि वे चाहते हैं कि अमेरिकी सरकार रणनीतिक रिजर्व कोष में विभिन्न प्रकार की डिजिटल परिसंपत्तियों को खरीदे और रखे। यह घोषणा ट्रंप के अस्थिर क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों को अपने सार्वजनिक समर्थन के बैरोमीटर के रूप में उपयोग करने के बढ़ते प्रयासों को उजागर करती है। ट्रंप ने हाल ही में सोशल मीडिया पर कहा कि उनकी सरकार एक 'क्रिप्टो स्ट्रैटेजिक रिजर्व' बनाने की दिशा में काम कर रही है, जिसमें कम-ज्ञात क्रिप्टोकरेंसी एक्सआरपी, सोलाना और कार्डानो शामिल होंगे। बाद में उन्होंने एक और पोस्ट के साथ कहा कि उनके नियोजित रिजर्व में बिटकॉइन और ईथर भी शामिल होंगे। ये दो सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी हैं।इस घोषणा से क्रिप्टो की कीमतों में हाल ही में हुई बिकवाली के बाद थोड़ी तेजी देखने को मिली। पिछले सप्ताह 80,000 डॉलर से नीचे गिरने के बाद बिटकॉइन करीब 95,000 डॉलर तक पहुंच गया। रविवार को ट्रंप की घोषणा के बाद एक्सआरपी, सोलाना और कार्डानो की कीमतों में भारी उछाल देखने को मिला।लेकिन सोमवार दोपहर तक कीमतें लगभग उसी स्तर पर आ गईं, जहां वे ट्रंप की घोषणा से पहले थीं। ट्रंप द्वारा कनाडा और मैक्सिको से आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की योजना की पुष्टि के बाद सोमवार को अमेरिकी शेयरों में भी तेज गिरावट आई।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी 159 मेगावाट पवन ऊर्जा क्षमता जोड़ेगी

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने मंगलवार को मार्च तिमाही में 159 मेगावाट पवन ऊर्जा जोड़ने की घोषणा की। इसके साथ ही कंपनी की परिचालन बिजली उत्पादन क्षमता 8,400 मेगावाट के पार हो गई। कंपनी ने कहा कि यह अतिरिक्त क्षमता पवन मौसम से पहले उपलब्ध है और चरम स्थिति के दौरान बढ़ती ऊर्जा मांग को पूरा करने के लिए तैयार है, जो एक स्थायी बिजली आपूर्ति में महत्वपूर्ण योगदान देगा। इस वृद्धि के साथ, कंपनी की कुल परिचालन पवन क्षमता 2,826 मेगावाट हो गई है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी 8.0 गीगावाट की निर्माणाधीन क्षमता के साथ अपने नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो का सक्रिय रूप से विस्तार कर रही है। कंपनी का लक्ष्य वित्त वर्ष 2030 से पहले 20 गीगावाट की कुल स्थापित उत्पादन क्षमता हासिल करना है।

छोटे उद्यम देश के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं: स्वामीनाथन

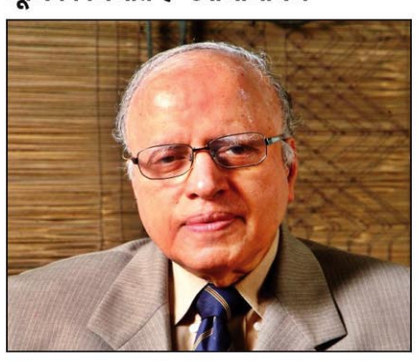

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे ने एक महत्वपूर्ण संदेश दिया, जिसमें उन्होंने सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के महत्व को बल दिया। उन्होंने व्यापक सहानुभूति के साथ समय पर देय ऋण की महत्वता पर चर्चा की और उन्होंने कहा कि छोटे उद्यम देश के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। स्वामीनाथन जे ने उद्यमों के संगठित ऋण समर्थन को मजबूत करने के लिए आईआरबीआई के पहलों की तारीफ की और डिजिटल माध्यमों के महत्व को उजागर किया। उन्होंने स्थायी सलाहकार समिति की बैठक में एमएसएमई के कर्ज प्रवाह की समीक्षा की और ऋण प्रदान में सुधार करने के लिए उन्होंने डिजिटल समाधानों पर जोर दिया। इस महत्वपूर्ण बैठक में अनेक संगठनों और संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल हुए और एमएसएमई के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट, राष्ट्रीय क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी लि., भारतीय बैंक संघ, सूक्ष्म और लघु उद्योगों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट और अन्य संगठनों के उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशियाई बाजारों में भी गिरावट का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र में बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का माहौल बना रहा। दूसरी ओर, एशियाई बाजारों में कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। टैरिफ वॉर की चिंता में अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा के अनुसार अमेरिका में मेक्सिको और कनाडा पर से 25 प्रतिशत टैरिफ लागू हो गया है। इसके साथ ही चीन पर भी से 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लागू हो गया है। दूसरी ओर, कनाडा ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए 107 बिलीयन डॉलर के अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। टैरिफ वॉर की वजह से अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान जबरदस्त गिरावट का शिकार हो गए। टेक शेयरों में जोरदार बिकवाली दर्ज की गई। डाउ जॉन्स 650 अंक की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 104.78 अंक यानी 1.76 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5,849.72 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 500.96 अंक यानी 2.66 प्रतिशत टूट कर 18,346.32 अंक के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.13 प्रतिशत की तेजी के साथ 45,248.76 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिका के विपरीत यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी का रुख बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.69 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,871.31 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 1.07 प्रतिशत उछल कर 8,199.71 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 595.59 अंक यानी 2.57 प्रतिशत की छलांग लगा कर 23,147.02 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में लगातार दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 7 के सूचकांक कमजोरी के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक हरे निशान में बने हुए हैं। सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.40 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,193.14 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक बढ़त के साथ 2,532.94 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.41 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,168 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.39 प्रतिशत फिसल कर 3,893.68 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। निक्केई इंडेक्स में बड़ी गिरावट आई है। फिलहाल ये सूचकांक 662.62 अंक यानी 1.75 प्रतिशत फिसल कर 37,122.85 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 1.23 प्रतिशत फिसल कर 6,439.79 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 105.03 अंक यानी 0.46 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,901.24 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.37 प्रतिशत लुढ़क कर 22,671.07 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ 3,316.67 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं ।

पूर्व सेबी प्रमुख बुच, पांच अन्य पर एफआईआर के आदेश पर रोक

मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने विशेष अदालत के उस आदेश पर चार सप्ताह तक के लिए रोक लगा दी, जिसमें सेबी की पूर्व चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और पांच अन्य अधिकारियों के खिलाफ कथित शेयर बाजार धोखाधड़ी और विनियामक उल्लंघन के लिए एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया गया था।

न्यायमूर्ति शिवकुमार डिगे की एकल पीठ ने कहा कि विशेष अदालत का एक मार्च का आदेश बिना विस्तृत जानकारी के और आरोपी की कोई विशेष भूमिका बताए बिना यंत्रवत् पारित किया गया था। इसलिए उच्च न्यायालय ने कहा कि मामले में शिकायतकर्ता को याचिकाओं के जवाब में हलफनामा दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया जाता है।

उच्च न्यायालय का यह निर्णय बुच, सेबी के तीन वर्तमान पूर्णकालिक निदेशकों - अश्विनी भाटिया, अनंत नारायण जी और कमलेश चंद्र वार्ष्णेय तथा बीएसई के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राममूर्ति और इसके पूर्व चेयरमैन तथा जनहित निदेशक प्रमोद अग्रवाल द्वारा दायर याचिकाओं पर आया। याचिकाओं में विशेष अदालत द्वारा पारित आदेश को रद्द करने की मांग की गई थी, जिसमें भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) को 1994 में बीएसई में एक कंपनी को सूचीबद्ध करते समय धोखाधड़ी के कुछ आरोपों से संबंधित उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया गया था। याचिकाओं में कहा गया है कि यह आदेश अवैध और मनमाना है।

बार्सिलोना में मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस में एक रोबोटिक डॉग देखते हुए लोग

बार्सिलोना में मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस में एक रोबोटिक डॉग देखते हुए लोग। इस वर्ल्ड कांग्रेस में कारोबार जगत के दिग्गज , नीति बनाने वाले और नई तकनीक तलाशने वाले एकसाथ नजर आते हैं।

मस्क की स्टारलिंक भारत में अपनी सेवाएं जल्द शुरू करेगी

लाइसेंस प्राप्त करने के लिए अधिकांश प्रावधानों का पालन करने पर सहमत

नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष नियामक से एलन मस्क की स्टारलिंक को जल्द ही मंजूरी मिलने की संभावन जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि कंपनी सैटेलाइट द्वारा ग्लोबल मोबाइल व्यक्तिगत संचार लाइसेंस प्राप्त करने के लिए अधिकांश प्रावधानों का पालन करने पर सहमत हो गई है, लेकिन सुरक्षा संबंधी कुछ आवश्यकताओं पर चर्चा जारी है। संभावना है कि आने वाले दिनों में सुरक्षा संबंधी प्रावधानों पर सहमति बन जाएगी।

स्टारलिंक करीब 100 देशों में अपनी इंटरनेट की सेवाएं दे रही है। सूत्रों का कहना है कि कंपनी ने जरूरी जानकारी जमा कर दी है। यह स्टारलिंक के लिए भारत में पहली नियामक मंजूरी होगी, जिसका लक्ष्य भारत में कॉमर्शियल ब्रॉडबैंड-फ्रॉम-स्पेस सेवाएं शुरू करना है। कंपनी उपयोगकर्ता टर्मिनलों के स्थानांतरण और उससे जुड़े प्रावधान का पालन करने के लिए सहमत हो गई है। कंपनी भारत में अपना नेटवर्क नियंत्रण और निगरानी केंद्र बनाने पर भी सहमत है।

स्टारलिंक इस बात पर भी सहमत है कि वह यह भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों में गेटवे के माध्यम से डेटा रूट नहीं करेगा। कंपनी का फिलहाल भारत के जमीनी सीमा वाले देशों में कोई गेटवे नहीं है, लेकिन कंपनी ने प्रतिबद्ध किया है कि भविष्य में जमीनी सीमा साझा करने वाले देशों में गेटवे स्थापित करती है तो वह भारत से जुड़ा डेटा उनके माध्यम से नहीं भेजा जाएगा।

लेकिन, इस बार भी सुरक्षा के मोर्चों पर कई सारे प्वाइंट्स हैं, जिनको लेकर निरंतर चर्चा चल रही है। स्टारलिंक चाहती है कि भारत के साथ जल्द से जल्द सेवा शुरू करने वाले शर्तों पर आपसी सहमति बने, जिससे कि वह अपनी सेवा शुरू कर सके।

सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार, सोना और चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार हो रहा है। सोना और चांदी दोनों चमकीली धातु सोमवार के भाव पर ही कारोबार कर रही हैं। भाव में बदलाव नहीं होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना भी 86,610 रुपये से लेकर 86,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 79,390 रुपये से लेकर 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी में भी सपाट कारोबार होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 96,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 86,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 86,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 86,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 79,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 86,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 86,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 86,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 86,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 79,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 86,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में कोई बदलाव नहीं आया है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना भी 86,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

रॉयल एनफील्ड ने बेची 80,799 मोटरसाइकिलें

नई दिल्ली। दो पहिया वाहन निर्माता स्वदेशी कंपनी रॉयल एनफील्ड ने फरवरी 2025 में घरेलू बाजार में 80,799 मोटरसाइकिलों की बिक्री की, जो पिछले साल के मुकाबले 18.96 प्रतिशत अधिक है। भारतीय बाजार में रॉयल एनफील्ड की मोटरसाइकिलों की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। फरवरी 2024 में यह आंकड़ा 67,922 यूनिट था। इस बिक्री के साथ रॉयल एनफील्ड ने एक बार फिर साबित कर दिया कि भारतीय ग्राहकों के बीच इसकी मजबूत पकड़ बनी हुई है। रॉयल एनफील्ड की 350सीसी सेगमेंट की बाइक्स की डिमांड सबसे ज्यादा रही। कंपनी ने इस सेगमेंट में कुल 77,775 यूनिट्स की बिक्री की, जो सालाना आधार पर 17.43 प्रतिशत अधिक रही। इसके अलावा, 350सीसी से ज्यादा की बाइक्स की बिक्री में भी शानदार बढ़ोतरी देखने को मिली। इस सेगमेंट में फरवरी 2025 में 12,895 मोटरसाइकिलों की बिक्री हुई, जो पिछले साल की तुलना में 32.86 प्रतिशत की बढ़त को दर्शाती है। घरेलू बाजार के साथ-साथ रॉयल एनफील्ड के एक्सपोर्ट में भी तेजी आई है।

एएफसी चैंपियंस लीग एलीट, राउंड ऑफ 16 : अल नस्र और एस्तेगलाल के बीच मुकाबला गोलरहित ड्रॉ

नई दिल्ली

तेहरान के आज़ादी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सोमवार को खेले गए एएफसी चैंपियंस लीग एलीट राउंड ऑफ 16 के पहले चरण के मुकाबले में एस्तेगलाल और अल नस्र के बीच मुकाबला बिना किसी गोल के ड्रॉ रहा।

मैच में दोनों टीमों को गोल करने के कई मौके मिले, लेकिन कोई भी टीम उन्हें भुनाने में सफल नहीं रही।

अल नस्र, जो इस मुकाबले में अपने स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बिना उतरी थी, ने पहले हाफ में दबदबा बनाया। टीम को सबसे अच्छा मौका 21वें मिनट में मिला, जब जॉन डुरान ने एस्तेगलाल के बॉक्स के अंदर से शॉट लगाया। हालांकि, एस्तेगलाल के गोलकीपर हुसैन हुसैनी ने शानदार बचाव किया, लेकिन गेंद अयमान याह्या के पास गिर गई। याह्या के सामने खाली गोल था, लेकिन रूज़बेह चेश्मी ने शानदार गोललाइन क्लीयरेंस कर गोल होने से रोक लिया। दूसरे हाफ में एस्तेगलाल ने आक्रामक खेल दिखाया और 50वें मिनट में उसे गोल करने का सुनहरा मौका मिला। अरमिन सोहराबियन ने बाईं विंग से बेहतरीन क्रॉस दिया, जिसे रेज़ाईयान ने बॉक्स के अंदर हेडर के जरिए गोल की ओर मोड़ा। हालांकि, उनकी कोशिश गोलपोस्ट के बेहद करीब से बाहर चली गई।

बाबा निराला की शरण में पहुंचे चहल

मुम्बई। भारतीय टीम से बाहर चल रहे क्रिकेटर युजवेंद्र चहल आजकल खराब दौर से गुजर रहे हैं। पत्नी धनश्री वर्मा से भी उनका तलाक को गया है। वहीं इसी बीच चहल का एक ऐसा वीडियो सामने आया है जिसे देखकर आप हंसे बिना नहीं रह पायेंगे। इस पोस्ट में परेशान नजर आ रहे चहल बाबा निराला से सहायता मांगते दिख रहे हैं। पिछले हफ्ते एमएक्स प्लेयर की वेब सीरीज 'आश्रम' के तीसरे सत्र का दूसरा पार्ट रिलीज हुआ था और इस सीरीज में बॉबी देओल ने बाबा निराला की भूमिका निभाई थी। चहल, बाबा निराला के दरबार पहुंचते हैं, जिससे उनका सलामी बल्लेबाज बनने का सपना पूरा हो सके। चहल कहते हैं, कृपया मुझे सलामी बल्लेबाज बना दो।

न्यूज ब्रीफ

लियोनेल मेसी अर्जेंटीना की प्रारंभिक टीम में शामिल, मार्कोस अकुना बाहर

ब्यूनस आयर्स। इंटर मियामी के स्टार फॉरवर्ड लियोनेल मेसी को इस महीने उरुग्वे और ब्राजील के खिलाफ होने वाले वर्ल्ड कप क्वालीफायर मुकाबलों के लिए अर्जेंटीना की 33 सदस्यीय प्रारंभिक टीम में शामिल किया गया है। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी सूची में मैनचेस्टर सिटी के युवा मिडफील्डर क्लाउडियो एकेवेरी और बोलोग्ना के स्ट्राइकर सैंटियागो कास्त्रो को भी पहली बार जगह मिली है। हालांकि, रिवर प्लेट के डिफेंडर मार्कोस अकुना को खराब प्रदर्शन के कारण टीम में शामिल नहीं किया गया है। अर्जेंटीना की टीम 21 मार्च को मोंटेवीडियो में उरुग्वे और 25 मार्च को ब्यूनस आयर्स में ब्राजील का सामना करेगी। वर्तमान में, अर्जेंटीना 12 मैचों में 25 अंकों के साथ दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग ग्रुप में शीर्ष पर है, जबकि उरुग्वे 20 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

ऋषभ को मिलेगा लॉरियस 'वर्ल्ड कमबैक ऑफ द ईयर अवार्ड

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को भीषण कार हादसे के बाद भी खेल में जबरदस्त वापसी के लिए प्रतिष्ठित लॉरियस 'कमबैक ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए नामांकित किया गया है। ऋषभ को ये अवार्ड 21 अप्रैल को मैड्रिड में एक समारोह में दिया जाएगा। ऋषभ 30 दिसंबर 2022 को दिल्ली से अपने गृहनगर रुड़की जाते समय कार दुर्घटना में गंभीर रुप से घायल हो गये थे। उसके बाद वह तकरीबन सवा साल तक खेल से दूर रहे। देहरादून के एक अस्पताल में प्रारंभिक उपचार के बाद मुम्बई में बीसीसीआई के विशेषज्ञ सलाहकार की देखरेख में उनका इलाज हुआ। दाएं घुटने के तीनों लिगामेंट की सर्जरी के बाद भी इस क्रिकेटर ने हिम्मत नहीं हारी और बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अपना रिहैबिलिटेशन पूरा किया। इसके बाद वह आईपीएल में अपनी टीम दिल्ली कैपिटल्स के लिए उतरे। इसमें लय हासिल करने के बाद वह भारतीय टीम के लिए मैदान में उतरे। इस क्रिकेट ने वापसी के बाद अपने पहले मैच में भी बांग्लादेश के खिलाफ शतक बनाया था।

बीसीबी ने बढ़ाया वेतन पर शाकिब को नहीं मिली पिछले चार महीने की बकाया राशि

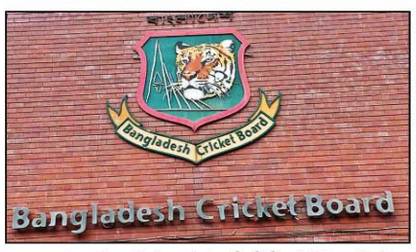

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने खिलाड़ियों की मैच फीस के साथ ही उनका वेतन भी बढ़ा दिया है पर टीम के पूर्व कप्तान व ऑलराउंडर शाकिब अल हसन को अभी पिछले चार माह का ही वेतन नहीं मिला है। बीसीबी ने भी इस बात को स्वीकार किया है पर कहा है कि सरकार ने शाकिब के खाते फ्रीज कर दिये हैं, इसी कारण उन्हें वेतन नहीं दिया जा सका है। शाकिब सुरक्षा कारणों से अभी स्वदेश नहीं लौटे हैं। वहीं बीसीबी के एक अधिकारी ने कहा शाकिब को सितंबर, अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर का वेतन अभी तक नहीं दिगया गया है और इसका मुख्य कारण यह है कि उनका बैंक खाता फ्रीज है। शाकिब को टैक्स को छोड़कर बीडीटी 48 लाख (यूएसडी 38400) यानी करीब 33 लाख रुपये मिलने हैं। पिछले साल 12 फरवरी को हुई बोर्ड की नौवीं बैठक के दौरान बीसीबी ने साल 2024 के लिए केंद्रीय संपर्क सूची की घोषणा की थी, जिसमें शाकिब को सभी प्रारूपों के लिए अनुबंधित किया गया था। शाकिब ने भारत दौरे में टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से संन्यास की घोषणा कर दी थी। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर अपना आखिरी टेस्ट खेलने की इच्छा जताई थी पर शर्त रखी थी कि उन्हें सुरक्षा गारंटी दी जाए ।

पूर्व पाक क्रिकेटर ने भारतीय टीम को दी चुनौती , बेहतर है तो खेलें 10-10 मुकाबले

लाहौर

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) सहित उसके दिग्गज क्रिकेटर भारतीय टीम को पाक दौरे पर भेजने का लगातार अनुरोध करते रहे है पर भारतीय बोर्ड सुरक्षा कारणों से उसे ठुकराता रहा है।

पीसीबी ने आईसीसी के जरिये भी भारत पर दबाव बनाने का प्रयास किया था पर जब आईसीसी ने मना कर दिया तो पाक के पूर्व क्रिकेटर घटिया स्तर पर उतर आये हैं। इस कड़ी में पाक के पूर्व स्पिन गेंदबाज सकलेन मुश्ताक ने भारतीय टीम को चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि अगर भारतीय टीम वास्तव में हमसे बेहतर टीम है तो पाकिस्तान के साथ 10 टेस्ट, 10 एकदिवसीय और 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलकर दिखाये। सकलेन ने ये बात पाकिस्तानी मीडिया में कही।

इस दौरान वहां पूर्व क्रिकेटर इंजमाम-उल-हक भी उपस्थित थे। यह बयान ऐसे समय आया है जब भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट प्रतिद्वंदिता पर कई पूर्व दिग्गजों ने सवाल उठाते हुए कहा कि ये अब पहले की तरह रोमांचक नहीं रही क्योंकि अब मुकाबले एकतरफ हो रहे हैं क्योंकि पाक टीम काफी कमजोर हो गयी है। हाल के मैचों में भारत का प्रदर्शन पाकिस्तान से कहीं बेहतर रहा है। चैंपियंस ट्रॉफी में भी भारत ने पाकिस्तान को आसाने से हरा दिया था। वहीं सकलेन इस बात से सहमत नहीं हैं। उन्होंने कहा, अगर हम राजनीतिक बातों को छोड़ दें तो उनके खिलाड़ी बहुत अच्छे हैं और वे अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं। सकलेन ने साथ ही कहा, अगर आप सच में एक अच्छी टीम हैं, तो मुझे लगता है कि पाकिस्तान के खिलाफ एक-एक सीरीज खेलें तब सब कुछ साफ हो जाएगा। सकलेन का मानना है कि कुछ मैचों के आधार पर दोनों टीमों की तुलना करना सही नहीं है। ज्यादा मैच खेलने से असली तस्वीर साफ होगी। सकलेन ने भी माना कि इस समय पाकिस्तान टीम में सब कुछ ठीक नहीं है। लेकिन उनका मानना है कि सही इरादे से इसे ठीक किया जा सकता है। सकलेन मुश्ताक ने कहा, अगर हम अपनी तैयारी सही तरीके से करें और चीजों को सही दिशा में ले जाएं, तो हम ऐसी स्थिति में होंगे जहां हम दुनिया और भारतीय टीम को भी करारा जवाब दे सकते हैं। भारतीय टीम अभी पाकिस्तान के साथ केवल आईसीसी जैसे बड़े टूर्नामेंट में ही खेलती है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सीरीज फिलहाल नहीं हो रही है। ऐसे में सकलेन की चुनौती को स्वीकार किया जाना मुश्किल लग रहा है।

अब रिचर्ड्स बोले, दुबई में खेलने का भारतीय टीम को मिल रहा लाभ

जमैका

वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर विवियन रिचर्ड्स ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आलोचना की है। रिचर्ड्स ने कहा है कि आईसीसी ने भारतीय टीम के सभी मैच दुबई में रखे हैं जिसका लाभ उसे मिल रहा है। रिचर्ड्स से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान पैट कमिंस और कुछ अन्य क्रिकेटरों ने भी कहा था कि दुबई में ही मैच होने से भारतीय टीम को लाभ हुआ है जबकि अन्य टीमों को अलग-अलग मैच स्थलों पर जाना पड़ रहा है। रिचर्ड्स के अनुसार भारतीय टीम को एक ही जगह खेलने की सुविधा दी गयी है जिसको लेकर उन्होंने सवाल भी उठाये हैं। रिचर्ड्स ने ये भी कहा कि आईसीसी को चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम पर उठ रहे सवालों का जवाब देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका को पता नहीं था कि उनके सेमीफाइनल मुकाबले कहां होंगे जबकि भारतीय टीम को पता था कि उ से दुबई के एक ही मैदान पर खेलना है। वहीं इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर नासिर हुसैन और माइकल एथरटन ने भी ये सवाल उठाया था। रिचर्ड्स ने इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के दौरान कहा, हो सकता है कि लोगों का अनुमान सही हो। मुझे भी लगता है कि ऐसा राजनीति के कारण होता है। मैं राजनीति पक्ष में नहीं जाना चाहता पर मेरा मानना है कि आईसीसी को इस बारे में विचारा करना चाहिये था। आईसीसी की ही ये समस्या है और उसे जवाब देना चाहिये।

आईसीसी एक ही जगह मैच रखने पर जवाब दे

इंडियन वेल्स में बीएनपी परिबास ओपन टेनिस

इंडियन वेल्स में बीएनपी परिबास ओपन टेनिस में खेलती हुई रुस की एनासटेशिया जखारोवा।

मुंबई के दिग्गज स्पिनर शिवालकर नहीं रहे, गावस्कर और एमसीए अध्यक्ष सहित कई क्रिकेटरों ने दी श्रद्धांजलि

मुम्बई

मुंबई के दिग्गज स्पिनर पद्माकर शिवलकर का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया है। शिवलकर 84 साल के थ। वह भारत के सबसे अच्छे स्पिनरों में शामिल थे हालांकि उन्हें भारतीय टीम की ओर से खेलने का अवसर कभी नहीं मिला। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने 1961-62 से 1987-88 के बीच कुल 124 प्रथम श्रेणी मैचों में हिस्सा लिया और 19.69 की औसत से 589 विकेट लिए। इसके अलावा लिस्ट ए क्रिकेट में उनको 16 विकेट मिले। इस तरह 600 से ज्यादा विकेट लेने के बाद भी उनको भारतीय टीम में अवसर नहीं मिल सका। इसी को लेकर पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि शिवालकर भारत के लिए खेलने के अधिकारी थे पर उन्हें जगह नहीं मिलना हैरानी की बात थी।

इस स्पिनर ने 22 साल की उम्र में रणजी ट्रॉफी में प्रवेश करने के बाद 48 साल की उम्र तक खेला। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने साल 2017 में सीके नायडू 'लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार से सम्मानित किया था। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने शवलकर के निधन पर कहा, ''मुंबई क्रिकेट ने एक सच्चे दिग्गज को खो दिया है। उन्हें खेल में योगदान के साथ ही सबसे बेहतर स्पिनर के तौर पर याद किया जाएगा।' वहींगावस्कर ने शिवालकर को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि 'कुछ अन्य की तुलना में वह भारतीय टीम में खेलने के अधिक योग्य थे।'

गावस्कर ने शिवालकर के निधन पर एक भावुक संदेश लिखा और कहा, ''यह वाकई बहुत दुखद खबर है। कुछ ही समय में मुंबई क्रिकेट ने अपने दो दिग्गज खिलाड़ियों मिलिंद और पद्माकर को खो दिया है। यह दोनों कई जीत के सूत्रधार थे।'' उन्होंने कहा, ''भारतीय कप्तान के तौर पर मुझे इस बात का अफसोस है कि मैं राष्ट्रीय चयनकर्ताओं को उन्हें टेस्ट टीम में शामिल करने के लिए राजी नहीं कर पाया।

बीसीबी निदेशक ने फिल सिमंस को मुख्य कोच के रूप में बनाए रखने का किया समर्थन

ढाका

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के निदेशक नजमुल आबेदीन फहीम ने फिल सिमंस को बांग्लादेश टीम के मुख्य कोच के रूप में बनाए रखने का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि बोर्ड जल्द ही सिमंस के साथ औपचारिक बातचीत करेगा और उन्हें लंबे समय के लिए इस भूमिका में बनाए रखने की कोशिश करेगा।

सोमवार को ढाका में हुई बोर्ड बैठक में सिमंस के अनुबंध विस्तार सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई।

सिमंस को पिछले साल अक्टूबर में अंतरिम कोच के रूप में नियुक्त किया गया था। हालांकि, उनके चार महीने के कार्यकाल में बांग्लादेश ने केवल एक सीरीज जीती—वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 श्रृंखला में 3-0 की जीत। वहीं,

चैंपियंस ट्रॉफी में टीम को भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, जिससे बांग्लादेश टूर्नामेंट से जल्दी बाहर हो गया। बावजूद इसके, बीसीबी अध्यक्ष फारूक अहमद और निदेशक फहीम दोनों ने सिमंस को समर्थन दिया है। फहीम ने कहा, हमारे मुख्य कोच और वरिष्ठ सहायक कोच का अनुबंध मार्च के मध्य तक था। हम उनके प्रदर्शन से संतुष्ट हैं, इसलिए हम उनके साथ फिर से बातचीत करेंगे। यदि आपसी सहमति नहीं बनती है, तो हमें अन्य विकल्पों पर विचार करना होगा। लेकिन हमें उम्मीद है कि हम उनके साथ समझौते पर पहुंच जाएंगे। हमारा लक्ष्य उनका अनुबंध 2027 विश्व कप तक बढ़ाना है।

आईपीएल 25 में नई जर्सी में नजर आयेंगे केकेआर के खिलाड़ी

मुम्बई। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) आईपीएल 2025 में नई जर्सी में नजर आयेगी। गत विजेत केकेआर ने चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए अपनी नई जर्सी जारी कर दी है। सोशल मीडिया पर जो नई जर्सी पेश की गयी है उसमें तीन स्टार बने हुए हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स ने नई जर्सी का वीडियो भी जारी किया है। इस वीडियो में टीम की जर्सी पर तीन स्टार्स को कोरबो-लड़बो-जीतबो का सिंबल बताया गया है। गौरतलब है कि केकेआर ने अभी तक तीन बार आईपीएल खिताब जीता है। इस तरह से यह तीन स्टार उसके तीन आईपीएल खिताब के बारे में भी बताते हैं। इसके अलावा जर्सी पर गोल्डन बैज भी लगा है। केकेआर ने नई जर्सी का वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में 'कुछ कुछ होता है' फिल्म में स्टार्स काउंट करने वाला छोटा बच्चा, यहां पर भी स्टार्स काउंट कर रहा है। वह स्टार काउंट करते हुए बोलता है, कोरबो, लड़बो, जीतबो। इसके अलावा केकेआर के कई स्टार खिलाड़ी भी वीडियो में दिखाई दे रहे हैं। इन खिलाड़ियों में वेंकटेश अय्यर, रिंकू सिंह समेत कई अन्य क्रिकेटर्स शामिल हैं। गौरतलब है कि आईपीएल 2024 में केकेआर ने श्रेयस अय्यर की कप्तानी में ऐतिहासिक सफलता हासिल की थी। इस सत्र के लिए हालांकि अभी तक टीम के कप्तान को नाम सामने नहीं आया है। वहीं हाल ही में ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर ने कहा था कि अगर उन्हें अवसर दिया गया तो वह कप्तानी करने के लिए तैयार हैं।

विकलांगता भी बाधा नहीं...

द्वार दया का जब तू खोले, पंचम सुर में गूंगा बोले,
अंधा देखे, लंगड़ा चल कर पहुंचे काशी रे।

अर्थात् हे प्रभु जब तेरी दया का द्वार खुलता है तो गूंगा भी पंचम स्वर में बोलने या गाने लगता है, अंधा देखने लगता है और एक लंगड़ा व्यक्ति भी चलकर काशी जा पहुंचता है। कहने का तात्पर्य ये है कि जब प्रभु की दया का द्वार खुलता है तो असंभव भी संभव हो जाता है। कैसे खुलता है उस प्रभु की दया का द्वार? कहां है हम पर ऐसी कृपा करने वाला वह ईश्वर? हम पर ऐसी कृपा करने वाला वह ईश्वर वास्तव में हमारे अंदर ही विराजमान है। वह हमारी इच्छाशक्ति से ही जाग्रत होता है। उसकी कृपा का द्वार हमारी इच्छाशक्ति की खटखटाहट से ही खुलता है। सगुण-साकार अथवा निर्गुण-निराकार प्रभु की प्रार्थना करके हम अपनी असीमित सुप्त मानसिक शक्तियों को ही जगाते हैं। यह अपने विश्वास को पुष्ट करने का ही एक मार्ग है। वास्तव में सकारात्मक दृष्टिकोण से उत्पन्न सात्त्विक इच्छाओं का चयन करके हम अपने जीवन में हर खुशी प्राप्त कर सकते हैं। उत्कृष्ट इच्छाशक्ति द्वारा हम असंभव से लगने वाले कार्यों को करने में सक्षम हो जाते हैं। कुछ ऐसी ही उत्कृष्ट इच्छाशक्ति थी विल्मा रुडोल्फ नामक एक पोलियोग्रस्त बालिका में जो विश्व पटल पर तेज धाविका के रूप में अपना नाम अंकित करवाना चाहती थी। वर्ष 1960 में इटली की राजधानी रोम में होने वाले ओलंपिक खेलों पर सारे विश्व की निगाहें टिकी हुई थीं क्योंकि इन ओलम्पिक खेलों में विल्मा रुडोल्फ भी भाग ले रही थी।

बच्चे को ऐसे बनाएं स्मार्ट...

आप अपने बच्चे को स्मार्ट बनाना चाहती हैं? तो यह काम अब मजाक-मजाक में ही हो जाएगा। हाल की स्टडी में यह बात सामने आई है कि बच्चों से दोस्ताना व्यवहार उनके दिमागी विकास में काफी कारगर है। आपका रोजाना का हंसी मजाक आपके बच्चे को तेज दिमाग बना सकता है। स्टडी में यह पता चला कि बच्चों से हंसी-मजाक करने से बच्चे को दिमाग विकसित होता है वो धीरे-धीरे मजाक और डांट में फर्क समझने लग जाते हैं। एक बार फर्क समझ आने के बाद वो पैरेंट्स के बिहेवियर में फर्क को भी समझना शुरू कर देते हैं। बच्चों के लिए खेल बहुत जरूरी होता है। खेल बच्चे के दिमागी विकास में बहुत अहम भूमिका निभाते हैं। जो पैरेंट्स बच्चों के साथ नाटक और जोक करते हैं वो अपने बच्चों के दिमाग में जल्द विकास देखते हैं। क्योंकि वो बच्चे मजाक और सच्चाई में फर्क समझने में सक्षम हो जाते हैं। इन सबके साथ यह जानना भी जरूरी है कि आप किस तरह के जोक अपने बच्चे से करते हैं। थोड़ा अलग और क्रिएटिव पैरेंट बनिए और अपने बच्चे को इंटेलिजेंट बनाइए। मजाक-मजाक में अपने बच्चों को वो चीजें सिखाइए जो वो सीखने से कतराता हो।

लाड़ली को सिखाएं ये बातें...

पैरेंट्स होने के नाते बच्चों को बेहतर इंसान बनाना आपका फर्ज है। इस समय में बच्चों को खुद की सुरक्षा के प्रति सजग रहना सिखाना सबसे जरूरी है। खासकर लड़कियों के मामले में। अपनी मासूम बेटी को बढ़ती उम्र में उसकी जिंदगी और बाहर की दुनिया के बारे में जरूरी सीख देना बेहतर पेरेंटिंग का हिस्सा है। आजकल लड़कियों के साथ जो अत्याचार हो रहे हैं इस बारे में उससे खुल कर बात करें और जरूरी लगे तो उसे सेल्फ प्रोटेक्शन के लिए ट्रेनिंग भी दिलवाएं। अपनी बेटी को स्वाभिमानी बनाएं। उसे यह बताना बहुत जरूरी है कि वह जैसी है सबसे बेहतर है। स्वाभिमान उसमें आत्मविश्वास जगाएगा। बेटी को यह जरूर सीखाएं की अपने काम किसी और पर न थोंपे। जितना हो सके खुद अपने आप पर निर्भर बने। उसे अपने पैरों पर खड़े होने की अहमियत समझाए ताकि आगे चलकर उसे किसी तरह की परेशानी न हो।

...तो बच्चा बनेगा जीनियस

अगर आपका बच्चा मुश्किल से स्कूल से कोई सबक याद कर पाता है तो चिंता की बात नहीं है, आप अपने बच्चे को टोस्ट, कॉफी और स्वादिष्ट रोल में दालचीनी खिला कर उसके सीखने की क्षमता में सुधार कर सकती हैं। भारतीय मूल के एक शोधकर्ता के नेतृत्व में चूहों पर हुए एक अध्ययन के अनुसार, दालचीनी के सेवन से कमजोर स्मृति वाले चूहों में बेहतर और सामान्य स्मृति वाले चूहों में अच्छे स्मृति स्तर देखने को मिले। अमेरिका की शिकागो यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर कालीपद पहान के मुताबिक कमजोर छात्रों को बेहतर छात्र बनाने के लिए यह सबसे सुरक्षित और आसान तरीका हो सकता है।

एक वक्त था, जब लोग सिर्फ सफेद बालों को छुपाने के लिए बालों को रंगते थे, लेकिन आजकल बालों को अलग-अलग रंग कराना फैशन बन गया है। हर कोई अपने लुक को बदलने के लिए अलग-अलग तरह के कलर करवा रहे हैं। कुछ लोग महंगे सलून में जाकर हेयर कलर करवाते हैं, कुछ लोग घर पर ही कलर करते हैं, लेकिन आपने कभी सोचा है कि गलत तरीके से बालों को कलर करना बालों को नुकसान पहुंचा सकता है।

हेयर कलर कराते समय न करें गलतियां...

बालों में कलर करने का चलन पिछले कुछ सालों में तेजी के साथ बढ़ा है। एक आंकड़े के मुताबिक करीब 75 फीसदी महिलाएं अपने बालों में रंग कराती हैं। आजकल बालों को कलर करने के लिए बाजार में बहुत सारे शेड मिलते हैं, जैसे, सेमी परमानेंट और परमानेंट हेयर कलर। सेमी परमानेंट कलर कुछ समय बाद बालों को शैंपू करने से निकल जाता है। वहीं दूसरी तरफ परमानेंट हेयर कलर कुछ हफ्तों तक आराम से चलता है। आप वहीं कलर चुनें जो आपकी स्किन टोन पर सही लगता हो। कितनी महिलाएं हैं जो अपने बालों को कलर करवाती हैं। कई को यह पता ही नहीं होता कि कौन-सा कलर उन पर जमेगा, बाल कलर करने के लिए क्या करना चाहिए, बाल कलर कराने के क्या-क्या फायदे-नुकसान हैं, किन बातों का ध्यान रखें इत्यादि।

बालों को कलर कराना आज का स्टाइल स्टेटमेंट बन गया है। आज महिलाएं बालों पर नए-नए प्रयोग करने से भी नहीं चूकतीं, लेकिन सावधानी बहुत जरूरी है। जरा-सी लापरवाही से आप अपने अच्छे बालों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। बालों को कलर करवाने से पहले आपको एलर्जी का ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि कई बार कुछ कलर या डाई बालों को नुकसान पहुंचा सकती है। ऐसे में यदि आपको अमोनियायुक्त डाई सूट न करें तो आप प्रोटीनयुक्त डाई का इस्तेमाल भी कर सकती हैं। इसके लिए आप हेयर एक्सपर्ट या ब्यूटी पार्लर में जाकर परामर्श ले सकती हैं।

व्यक्तित्व का ध्यान रखें

हेयर कलर करवाने वालों को बाद में त्वचा संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। जैसे बालों की कोमलता जाने का डर, बाल जल्दी सफेद होना इत्यादि। हेयर कलर में मिला अधिक अमोनिया बालों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। हेयर कलर कई तरह के हो सकते हैं जैसे बरगंडी, डार्क ब्राउन, रेड कलर, नेचुरल, गोल्ड, चॉकलेट, चेरी ब्राउन, रेड इत्यादि। कलर का चयन करते समय आप अपने व्यक्तित्व का ध्यान जरूर रखें। बालों को घर पर ही कलर कर रही हैं तो हाथों में दस्तानों का प्रयोग जरूर करें और आंखों का खासतौर पर ध्यान रखें। डाई के किसी भी प्रकार के दुष्प्रभाव से बचने के लिए आपको पहली बार किसी अनुभवी व्यक्ति से ही बाल कलर करवाना चाहिए। बालों को कलर करने से पहले उन्हें पहले धोकर सुखा लें और बालों को कंघी के एक सिरे से उठाते हुए कलर करें। यदि आप खुद बालों को कलर करती हैं तो उसके बाद बालों में शैंपू और कंडीसनर करना न भूलें। हेयर स्पा और सीरम ट्रीटमेंट तो किसी अनुभवी व्यक्ति से ही करवाना चाहिए। यदि आप पहली बार घर पर ही बालों को कलर कर रही हैं तो बालों को डाई करने वाले पैकेट पर लिखे दिशा-निर्देशों को सावधानी से पढ़ लें।

क्वॉलिटी पर दें ध्यान

आमतौर पर हेयर कलर बालों में चमक लाने, नया लुक पाने, सफेद बालों की परेशानी को दूर करने, बालों को पहले से बेहतर बनाने और बालों में जान डालने के लिए किया जाता है। ऐसे में जरूरी है कि हेयर कलर हमेशा अच्छी क्वॉलिटी का ही प्रयोग करें। यदि आप घुंघराले बालों को स्ट्रेट कराना चाहती हैं तो कलर करवाने के 15-20 दिनों के बाद ही ऐसा करवाएं। एक साथ दोनों काम कराने पर बालों पर केमिकल का दबाव अधिक पड़ता है। इससे बाल खराब हो सकते हैं। यदि आप व्यस्त दिनचर्या वाली हैं तो आपको हल्के हेयर कलर का ही इस्तेमाल करना चाहिए। यह आपके बालों को अधिक नुकसान नहीं पहुंचने देगा। बालों पर कलर करवाने के लिए विश्वस्त तथा गुणवत्तापूर्ण पार्लर को ही चुनें। यदि आपको किसी तरह की एलर्जी, डैंड्रफ या अन्य तकलीफ है, तो कलर करवाने से बचें। सोच-समझकर डाई करवाएं क्योंकि एक बार रंग चढ़ने के बाद उसे उतारने में बालों को नुकसान होता है। इससे बाल टूटते और झड़ते भी हैं।

दो मुंहे बाल

कलर करवाने से पहले दो मुंहे बाल चेक करें, और इन्हें ट्रिम करवा लें। हेयर कलर करने से दो मुंहे बाल रूखे दिखाई देते हैं। कलर करवाने से पहले अपने बालों को एक रात पहले ही धो लें। ज्यादा साफ और गंदे बाल, दोनों ही चीजें हेयर कलर का सही शेड छुपा सकते हैं।

हैड मसाज

कलर करवाने से 3 दिन पहले बालों में गुनगुने तेल से मालिश करें, इससे कलर अच्छी तरह से चढ़ेगा। अगर आप घर पर ही अपने बालों को रंगने वाली हैं तो अमोनिया, कोलतार और लेड जैसे कैमिकल वाले कलर से बालों को डाई न करें क्योंकि इससे बाल खराब हो सकते हैं।

बाद में क्या करें

कलर करवाने के बाद बालों को 48 घंटों तक शैम्पू से न धोएं, जिससे कलर अच्छी तरह से बालों में समा जाए। जब भी बाल धोएं तो ऐसे शैंपू का इस्तेमाल करें जो कलर वाले बालों के लिए बनाया गया हो। बालों को धूप की किरणें काफी नुकसान करती हैं इसीलिए धूप में जाते वक्त बालों को ढ़क कर रखें।

कैसे पानी से धोएं बाल

बालों को धोने के लिए हल्के गरम या ठंडे पानी का ही प्रयोग करें क्योंकि बहुत ज्यादा गरम पानी बालों का रंग उड़ा सकता है। कलर करवाने के हर 2 हफ्ते बाद बालों को प्रोफेशनल हेयर स्पा ट्रीटमेंट दें। इससे बालों में नमी बरकरार रहेगी और कलर भी वैसे का वैसा ही बना रहेगा।

कुछ समय धूप से बचाएं

जब बालों को कलर करवाया हो तो कुछ समय तक सिर पर कपड़ा रख कर चले। कलर बालों को कुछ समय तक धूप से बचाने के लिए बाहर जाते समय सर पर कपड़ा रख कर चले।

कैसे पहचाने रिएक्शन को

हेयर डाई से होने वाला एलर्जिक रिएक्शन मामूली असर वाला या फिर गंभीर दोनों हो सकता है। बालों में कलर करने के बाद यदि आपको सिर की त्वचा में मामूली जलन या सनसनाहट महसूस होती है तो यह एलर्जी की शुरुआत होती है। यदि कलर करने के बाद आपके माथे, कान, गर्दन के पीछे सूजन और आंखों में जलन की शिकायत होती है तो यह एलर्जी का गंभीर मामला होता है। आप को तुरंत डाक्टर को दिखाना चाहिए।

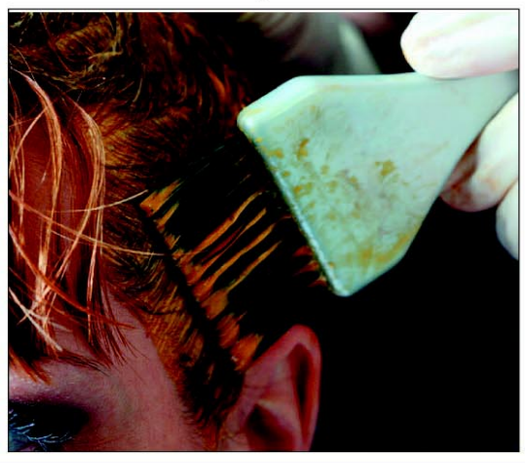

ऐसे बचें एलर्जी से

कुछ सावधानी बरत कर हेयर डाई से हो सकने वाले नुकसान से बच सकते हैं। ऐसा करने से आपके सिर के बाल ज्यादा समय तक ठीक रहेंगे। जब भी आप किसी नए ब्रांड को इस्तेमाल करें तो पहले उसके बारे में अच्छे से जानकारी कर लें। ऐसा देखा गया है कि कई बार कुछ लोग कलर बदलने से एलर्जी का शिकार हुए हैं। कोशिश करें कि आप लगातार एक ही अच्छा ब्रांड उपयोग करें। एलर्जिक अटैक से बचने के लिए पैच टेस्ट अच्छा उपाय है। पैच टेस्ट, किसी प्रोडक्ट के प्रति आपकी त्वचा की संवेदनशीलता को दर्शाता है। इसके साथ ही आपको एलर्जिक रिएक्शन से भी बचाता है। हेयर डाई का मिश्रण बनाते समय लेबल पर दिए गए निर्देशों को पढ़ लें। कान के पीछे का हिस्सा सबसे ज्यादा संवेदनशील होता है। यह किसी भी प्रकार के एलर्जिक रिएक्शन के लक्षणों को तुरंत दिखाता है। आप रुई के टुकड़े को हेयर डाई के मिश्रण में डुबाकर कान के पीछे लगा लें। इसे 10 घंटे तक लगाकर रखने से आप एलर्जी के प्रकोप से बचे रहेंगे यदि आप हेयर डाई को निर्धारित समय से ज्यादा लगाकर रखते हैं तो यह आपके लिए नुकसानदायक भी हो सकती है। यदि आपको एलर्जिक रिएक्शन होने का खतरा लगता है तो किसी भी परेशानी से बचने के लिए पानी की धार से अपने बालों को धो लें। इससे हेयर कलर आपके बालों से साफ हो जाएगा।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- महिलाएं कई बार आप फैशन में आकर बालों को कलर तो करवा लेती हैं, लेकिन बाद में उनका कलर बड़ी जल्दी फेड हो जाता है। उन्हें लगता है कि यह ब्यूटीशियन की गलती है। इसलिए कलर करवाने से पहले आप कुछ बातों को जान लें।
- बालों में लंबे समय तक कलर को बनाएं रखने के लिए आप कलर प्रोटेक्टिंग प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल कर सकती हैं। इन प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करते समय शैंपू या कंडीशनर का इस्तेमाल करना बंद करना पड़ेगा।

- 1 चम्मच एप्पल साइडर विनेगर में आधा कप पानी मिला लें और बालों को धो लें। इससे आपके बालों में लगा कलर और भी अधिक गहरा हो जाएगा।
- बालों को बार-बार ना धोएं, ऐसा करने से बालों का कलर निकल जाता है। बालों के रंग को लंबे समय तक टिकाने के लिए आप कम से कम शैम्पू करें।
- बालों की माह में एक बार डीप कंडीशनिंग करें और प्रत्येक शैम्पू के बाद कंडीशनर का उपयोग करें।
- बालों को कलर करवाने के लिए जरूरी है कि आप 4-5 महीने पहले बालों में मेहंदी न लगाएं।
- कलरिंग के बाद डैंड्रफ शैंपू के प्रयोग से परहेज करें। दरअसल, डैंड्रफ शैंपू में मौजूद केमिकल्स बालों से कलर उड़ा सकते हैं।
- हफ्ते में एक बार बालों में तेल लगाएं। बाल सुखाने के लिए ड्रायर का प्रयोग नहीं करें।
- हेयर प्रोडक्ट खरीदने से पहले उसकी एक्सपायरी डेट जरूर चेक कर लें, नहीं तो बालों पर इसके दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं।

पैरों की सेहत का रखें ध्यान

पैर हमारे लिए क्या कुछ नहीं सहते। ऐसे में पैरों की सही देखभाल करना हमारा दायित्व बनता है। जानिए कैसे हम अपने पैरों की सही तरीके से देखभाल कर सकते हैं। हमारे हाथों की तुलना में पैरों की त्वचा अधिक मोटी होती है जिसकी रोजाना देखभाल नहीं करने से यह समय के साथ गंदी हो जाती है। अनेक लोगों को फटी एड़ियों की समस्या का सामना करना पड़ता है जो लम्बे वक्त में पैरों के स्वास्थ्य पर ध्यान न देने के कारण होती है।

माइश्चराईजिंग: हमारे पैरों की डेड त्वचा सेल्स को एक्सफॉलिएटेड करने की जरूरत होती है और नियमित माइश्चराईजिंग त्वचा को सूखने से बचाने के लिए महत्त्वपूर्ण है अन्यथा पैरों में बिवाईयां फट सकती हैं जिनमें खून भी आ सकता है। आपके पैरों की माइश्चराईजिंग चेहरे की देखभाल जैसी महत्वपूर्ण है। हर बार स्नान के वक्त पैरों को अच्छी तरह धोने या स्क्रब करने की आदत डालें। इससे आपके पैरों की केयर आसान हो जाती है।

चलने का स्टाइल: पैरों की त्वचा के साथ फ्रिक्शन की संभावना ज्यादा होती है जिसके लिये सही तरीके से फिट न होने वाले जूते या चलने का गलत स्टाईल जिम्मेदार होता है। पैर के तलुवे पर एक ही बिन्दु पर लगातार दबाव पड़ने से कॉर्न और कॉलस विकसित हो जाते हैं त्वचा कड़ी हो जाती है और बाद में इसमें दर्द हो सकता है।

प्यूमिस स्टोन से स्क्रब: झांवा पत्थर यानी प्युमिस स्टोन से पैरों की स्क्रबिंग करना डेड सेल्स को हटा सकता है और पैरों में समस्याएं उत्पन्न होने की रोकथाम में मदद करता है। प्युमिस स्टोन या फुट स्क्रब से स्क्रबिंग करके कार्न्स और कॉलसेज से बचाव करें यह डेड त्वचा को हटाने में मददगार है जो बाद में कड़ी और मोटी होना शुरू हो जाती है और चलने-फिरने के समय दर्द उत्पन्न करती है।

तलुवों की देखभाल

पैरों के तलुवों को मुलायम रखने के लिये इनमें कोई ऑयल ग्लैंड्स नहीं होतीं इसलिए किसी क्रीम को नियमित लगाने का रूटीन बनाना जरूरी है। यदि आपके पैर अत्यंत सूखे हैं और त्वचा कटी-फटी है तो रात में सोने जाने के वक्त किसी हैवी ड्यूटी मॉइश्चराईजर या पेट्रोलियम जेली का अच्छी तरह प्रयोग करें और बेहतर अवशोषण के लिये इसे कॉटन सॉक्स से कवर करें।

जूते हों सही

सही तरह से फिट आने वाले जूते पहनें क्योंकि ढीला या ज्यादा कसा जूता आपके पैरों को सही तरह से सहारा न देकर काफी नुकसान पहुंचा सकता है। नये जूतों की खरीदारी दोपहर के काफी बाद या शाम के वक्त करें क्योंकि कुछ एक्सपर्ट मानते हैं कि दिन के दौरान हमारे पैरों में कुछ सूजन आ जाती है।

हाइजीन का ध्यान

हमारे पैरों में फंगल इंफेक्शन होने की आशंका ज्यादा होती है और इससे बचाव के लिए हाइजीन का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। पैरों को कभी भी गीला नहीं रखना चाहिए इन्हें अच्छी तरह से खासकर अंगूठों के बीच की जगह को सुखा लेना चाहिए। पैरों के नाखून नेल कटर की सहायता से सही तरह से काटने चाहिये। पैर दर्द करते हैं तो आप इन्हें सी सॉल्ट मिले गुनगुने पानी में डुबो सकते हैं। इससे दर्द से राहत मिलती है। अपने पैरों को रिलैक्स करने के लिये आप हाथों से हल्के गूंधते हुए तलुवों की मसाज कर सकते हैं। हल्के से हाथों को घुमाने और सॉफ्ट मसाज से आपके पैरों को रिलैक्स होने में मदद मिलती है।

सक्सैस के लिए परफेक्शन-पैशन जरुरी

तेजी से बदलते जमाने और टेक्नोलॉजी के इस दौर में अपनी जगह व पहचान बनाने के लिए अपनी पसंद के क्षेत्र में पैशन होना बेहद जरूरी है, तभी आप परफेक्शन के साथ अपने टास्क पूरे करते हुए कामयाबी की ओर कदम बढ़ा सकते हैं। जानिए अपनी रुचि के क्षेत्र में पैशन होना क्यों है जरूरी है...

अपना लक्ष्य निर्धारित करके उसे पैशन बनाकर आगे बढ़ने वाले कभी भी भटकाव या दुविधा के शिकार नहीं होते। दरअसल, अपनी रुचि के क्षेत्र में पूरी तरह डूबकर ही वे अपनी मंजिल को आसान बना पाते हैं। जो दूसरों को देखकर उनकी राह का अनुकरण करने का प्रयास करते हैं, वे अपने भीतर छिपे गुणों को देख नहीं पाते। यही कारण है कि वे अपने मन की राह पर चलने की बजाय भटकाव के चौराहे पर पहुंच जाते हैं। जहां पहुंच कर उन्हें यह सूझता ही नहीं कि अब किस राह पर वे आगे बढ़ें।

सेल्फ एनालिसिस

दूसरों की तरफ देखने की बजाय सबसे पहले तो आप यह देखें कि आपको क्या अच्छा लगता है, आपकी रुचियां किस तरह की हैं, किस तरह के काम करने में आपको मजा आता है और क्या करना अच्छा नहीं लगता? इस प्रक्रिया में आपको अपनी रुचि का क्षेत्र जानने-समझने में सहायता मिल सकती है। एक बार अपने मन का क्षेत्र चुन लेने के बाद आप उस पर कदम आगे बढ़ाएं। इसके लिए जरूरी कोर्स करें या ट्रेनिंग हासिल करें। थ्योरी के साथ-साथ प्रैक्टिकल पर भी जोर दें। सिर्फ किताबी बातों की बजाय आज के समय की व्यावहारिक बातों और इंडस्ट्री में प्रचलित तकनीकों को जानें-समझें। जो कुछ भी सीखें, उसमें पूरी तरह डूबें। लापरवाही या आधे-अधूरे मन से आप कभी कुछ नहीं सीख सकते। अगर अपने को परफेक्ट बनाना चाहते हैं, तो सीखने में जी-जान लगा दें। इसके बाद आप खुद देखेंगे कि कोई चीज सीख लेने के बाद आपका कॉन्फिडेंस कितना बढ़ता है। इस तरह से आगे बढ़ने पर आपको कभी काम नहीं ढूंढ़ना पड़ेगा, बल्कि इसके उलट काम आपके पीछे-पीछे चलेगा। हुनर के पारखी लोग आपको बुलाकर नौकरी देंगे।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**